

जंग में मात खाने के बाद भारत के सामने गिड़गिड़ाया पाकिस्तान

‘सिंधु जल समझौते पर फिर से करें विचार’

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई और सिंधु जल संधि स्थगित करने से पाकिस्तान बिलबिला गया है। दुनिया के कई देशों के सामने हाथ जोड़ने के बाद अब उसने भावी संकट को देखते हुए भारत से सिंधु जल संधि स्थगित नहीं करने की गुहार लगाई है। पाकिस्तान ने भारत से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है।

पाकिस्तान ने कहा है कि इस फैसले से हमारे देश में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय ने इसको लेकर भारत को पत्र लिखा है और फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील की है।

हालांकि सूत्रों के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान की गुहार पर कोई हमदर्दी नहीं दिखाई है। पीएम मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में भी कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते।

पीएम ने यह भी कहा कि, जिस तरह पाकिस्तानी सेना और सरकार आतंकवाद को बढ़ावा दे रही है। वह एक दिन पाकिस्तान को तबाह कर देगी। पाकिस्तान को बचना है तो अपने आतंकी ढांचे को



नष्ट करना होगा। शांति का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। भारत ने स्पष्ट किया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ घोषित कूटनीतिक और आर्थिक प्रतिबंध अब भी प्रभावी हैं। इनमें सिंधु जल संधि का निलंबन भी शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत तब तक सिंधु जल संधि को लागू नहीं करेगा, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं कर देता।

उन्होंने कहा कि यह संधि सद्भावना और मित्रता की भावना में हुई थी, लेकिन पाकिस्तान ने सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को ताक पर रख दिया। पहलगाम हमले के एक दिन बाद

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की थी, जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना तथा हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर राजनयिक संबंधों को कम करना शामिल था।

भारत अब तीन नदियों के पानी का अपने लिए इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम भी शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 सैनिकों की हत्या कर दी थी। भारत सरकार ने इस आतंकी हमले के जवाब के रूप में सबसे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया था। इससे पाकिस्तान जल संकट से जूझ रहा है।

सिंधु जल समझौता 1960 में हुआ था। इस संधि के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच बहने वाली सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलज के जल का बंटवारा हुआ था।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर : तुर्किये के खिलाफ विरोध तेज

जेएनयू ने तुर्किये के विवि के साथ रद्द किया समझौता

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा आतंकवाद के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया। ऐसे में भारत में तुर्किये के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। इसी कड़ी में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। दरअसल, केंद्रीय विश्वविद्यालय ने तुर्किये के एक विश्वविद्यालय के साथ किए समझौता ज्ञापन को रद्द कर दिया है। जेएनयू की ओर से ऐसा करने की पीछे की वजह सुरक्षा कारणों को बताया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से जेएनयू और इनोन् विश्वविद्यालय, तुर्किये के बीच समझौता ज्ञापन को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। एमओयू पर 3 फरवरी को तीन साल की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। जेएनयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने तुर्किये के इनोन् विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन को निलंबित कर दिया है। समझौते के तहत, अन्य बातों के अलावा, संकाय विनिमय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को योजना था।

तुर्किये के मालाट्या में स्थित इनोन् विश्वविद्यालय ने क्रॉस-कल्चरल रिसर्च और



छात्र सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत जेएनयू के साथ अकादमिक साझेदारी की थी। समझौता ज्ञापन रद्द करने का निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की पृष्ठभूमि में लिया गया है। दोनों पड़ोसी देशों

ने चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए 10 मई को एक समझौता किया था। भारत के तुर्किये के साथ व्यापारिक संबंध तनावपूर्ण होने की आशंका है, क्योंकि अंकारा ने इस्लामाबाद का समर्थन किया है और पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर भारत के हालिया हमलों की निंदा की है।

पाकिस्तान को उनके समर्थन के बाद, पूरे देश में तुर्किये के सामान और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है, साथ ही ईजमाईटिप और इक्सिगो जैसे ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने इन देशों की यात्रा के खिलाफ सलाह जारी की है।

तुर्किये के फलों का बाँयकॉट, मार्बल कारोबारी और ट्रैवल कंपनियां भी हुई खिलाफ

तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन करने के बाद देशभर में बाँयकॉट तुर्की अभियान ने जोर पकड़ लिया है। महाराष्ट्र के पुणे से लेकर राजस्थान के उदयपुर तक व्यापारियों ने तुर्की से आयातित वस्तुओं का बहिष्कार कर तुर्की को आर्थिक मोर्चे पर जवाब देने का ऐलान कर दिया है। एजेंसी के अनुसार, महाराष्ट्र के पुणे में व्यापारियों ने तुर्की से आयात होने वाले सेबों की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी है। स्थानीय बाजारों से ये सेब गायब हो गए हैं और ग्राहकों ने भी इसका बहिष्कार कर दिया है। हर साल पुणे के फलों के बाजार में तुर्की सेबों की हिस्सेदारी लगभग 1000-1200 करोड़ रुपये की होती है, लेकिन अब यह कारोबार ठप हो गया है। ▶10पर

भारत ने फर्जी खबरों पर कसा शिकंजा

ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ के सोशल मीडिया अकाउंट्स किए ब्लॉक

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने चीन के दो प्रमुख सरकारी मीडिया प्लेटफॉर्म ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ न्यूज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है। यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि ये दोनों लंबे समय से भारत के खिलाफ फर्जी खबरें और दुष्प्रचार फैला रहे थे। इन मीडिया संस्थानों ने हाल ही में भारत के ‘ऑपरेशन सिंदूर’



को लेकर झूठी खबरें फैलाने की कोशिश की। ग्लोबल टाइम्स बार-बार यह दावा कर रहा था कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ बिना किसी कारण के हमला किया है और इसे ‘एकतरफा कार्रवाई’ बताया जा

‘नाम बदलने से सच्चाई नहीं बदलेगी’

अरुणाचल को लेकर चीन ने की गलत हरकत तो भारत ने लगाई लताड़

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के बेतुके प्रयासों को खारिज किया। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के बेतुके प्रयासों से यह सच्चाई नहीं बदलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि राज्य भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।

चीन दावा करता है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का दक्षिणी भाग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के व्यर्थ और बेतुके प्रयास किए हैं। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,330.56
+182.34 +0.22% ↑
एनएसई : 24,666.90
88.55 (0.36%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 25°

‘जहां कभी था लाल आतंक, वहां लहरा रहा तिरंगा’

21 दिनों में 31 कुख्यात नक्सली ढेर, अमित शाह ने दी जवानों को बधाई



नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 21 दिनों के अभियान के दौरान 31 माओवादियों को मार गिराया है। उन्होंने इसे नक्सल मुक्त भारत के मिशन में एक ऐतिहासिक सफलता बताते हुए कहा कि अब तक का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान कुरुगुडालू पहाड़ी पर चलाया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुरुगुडालू पहाड़ (केजीएच) पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने कहा, जिस पहाड़ पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां आज शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुरुगुडालू पहाड़ पीएलजीए, बटालियन 1, डीकेएसजेडसी, टीएससी और सीआरसी जैसी बड़ी नक्सल संस्थाओं का एकिकृत मुख्यालय था, जहां नक्सल ट्रेनिंग के साथ-साथ रणनीति और हथियार भी बनाए जाते थे। शाह ने कहा, इस सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान को हमारे सुरक्षा बलों ने मात्र 21 दिनों में पूरा किया और मुझे अत्यंत हर्ष है कि इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों में एक भी कैजुअल्टी नहीं हुई। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में अपनी बहादुरी और शौर्य से नक्सलियों का सामना करने वाले हमारे सीआरपीएफ, एसटीएफ और डीआरजी के जवानों को बधाई देता हूं। पूरे देश को आप पर गर्व है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को पुनः विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत का नक्सलमुक्त होना तय है।

▶10पर

बलूचिस्तान ने किया पाकिस्तान से आजाद होने का ऐलान

भारत और विश्वभर से मांगा समर्थन

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने का ऐलान किया है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को राज्य में दशकों से हो रही हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान से स्वतंत्रता का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है। उन्होंने भारत और वैश्विक समुदाय से आजादी के लिए समर्थन देने की मांग की।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना फैसला दे दिया है। अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोग सड़कों पर हैं। उनका कहना है कि तुम मारोगे हम टूटेंगे, हम नाक बचाएंगे आओ हमारा साथ दो। बलूच लोगों का राष्ट्रीय फैसला है कि



बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और दुनिया अब मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारतीय नागरिकों ने अपील की कि वे बलूचों को पाकिस्तान के अपने लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं। हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग

पंजाबी हैं। जिन्होंने कभी हवाई बमबारी, जबरन गायब किए जाने और नरसंहार का सामना नहीं किया। बलूच नेता मीर यार बलूच ने भारत के पाकिस्तान से पीओके खाली करने की कहने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलूचिस्तान भारत द्वारा 14 मई 2025 को पाकिस्तान से पीओके खाली करने के लिए कहने के फैसले का पूरा समर्थन करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान से तुरंत पीओके छोड़ने का आग्रह करना चाहिए ताकि ▶10पर

कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिया था विवादित बयान, हाईकोर्ट बोला

विजय शाह पर 4 घंटे में दर्ज हो प्राथमिकी

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने पर हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री विजय शाह को जमकर फटकार लगाई है। निर्देश दिया गया है कि उनके खिलाफ 4 घंटे के अंदर में प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए।

असल में एक कार्यक्रम में बिना कर्नल सोफिया का नाम लिए विजय शाह ने एक ऐसा बयान दिया जिस वजह से वे बुरी तरह धिरे गए, कांग्रेस तक ने उनके खिलाफ एक्शन की मांग की।

जानकारी के लिए बता दें कि विजय शाह ने कहा था कि जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, उन्हीं कटे-पिटे लोगों को उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवाई। उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिन्दुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी-तैसी करने के



लिए हमारे जहाज से उनके घर भेजा। अब उन्होंने बिना नाम लिए कर्नल सोफिया के धर्म को लेकर टिप्पणी की, ऐसे में सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब हाईकोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया और विजय शाह को जमकर

फटकार लगाई। हाईकोर्ट में जस्टिस अतुल श्रीधरन की डिवीजन बेंच ने दो टूक कहा कि 4 घंटे के अंदर में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो, इस मामले में अगली सुनवाई कल यानी कि गुरुवार को होने वाली है। वैसे इस विवादित बयान के लिए विजय शाह ने खुद माफी मांग ली है, यहां तक बोला है कि इसे अलग संदर्भ में ना देखा जाए क्योंकि ‘हमारी बहनों’ ने बहुत ताकत से सेना के साथ मिलकर पहलगाम हमले का बदला लिया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

चलो यहाँ से तो सीजफायर द्वा।





पत्थर फेंकने वालों पर गोली चलाने का अधिकार क्यों नहीं?

कांग्रेस नेता पाकिस्तान की मदद करने की बात कर रहे हैं: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों की बात करें तो भी कांग्रेसी पाकिस्तान की मदद करने की बात करते हैं। ऐसा क्यों है? यहां मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमें अपने सैनिकों पर गर्व है। हमने कभी भी अपने सैनिकों पर अविश्वास व्यक्त नहीं किया है। किसी ने भी सैनिकों का श्रेय छीनने के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग युद्ध के मैदान में गए वे सैनिक थे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से पूछा कि क्या आपने अतीत में जब सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी, तब सबूत नहीं मांगे थे? फिर उन्होंने पूछा कि क्या उन्होंने सैनिकों पर अविश्वास व्यक्त किया था। उस समय सैनिकों पर आपका विश्वास कहाँ चला गया था? इतना ही नहीं, हमें अपने सैनिकों पर भरोसा है। हमें उन पर गर्व है। उन्होंने बताया कि 1962 के भारत-चीन युद्ध को छोड़कर किसी भी अन्य युद्ध में हमारे सैनिक रणभूमि पर नहीं हारे हैं। 1948 के युद्ध के दौरान सैनिकों ने दावा किया था कि वे मात्र 48 घंटों में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर कब्जा कर लेंगे। तो फिर आपने युद्ध क्यों रोक दिया? परिणाम क्या था? हमारा एक तिहाई कश्मीर पाकिस्तान के हाथों में चला गया। यह



आज भी पाकिस्तान के हाथों में है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमारे सैनिक नहीं। उस समय जनरल थिमैया ने कहा था कि युद्धविराम की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्टंट भी किए हैं। 1965 के युद्ध में हमारी सेना कराची और लाहौर तक गयी थी। यह हमारे लिए गर्व की बात है। ताशकंद वार्ता की मेज पर हमने जो कुछ जीता था, वह सब हमें खोना पड़ा। इतना ही नहीं, उन्होंने बताया कि हमने अपने गौरवशाली प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी खो दिया है। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री की मृत्यु संदिग्ध होने के बावजूद पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। कांग्रेसियों के बयानों के लहजे से ऐसा लगता है कि वे इसे भाजपा और पाकिस्तान के बीच युद्ध मान रहे हैं। आतंकवादियों ने

राजनीतिक दलों को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने राजनीतिक दलों से आगे जाकर भारत की संप्रभुता, हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और यहां के सर्वधर्म, समतावादी और सह-अस्तित्व के मूल्यों पर सवाल उठाया है और हत्या को अंजाम दिया है। उन्होंने इसके जरिए युद्ध भड़काने का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की। 1971 में बांग्लादेश आजाद हुआ। हमारे गौरवशाली सैनिकों ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया। प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और राजनीतिक नेता युद्ध के मैदान में नहीं गए थे। शिमला समझौते के तहत उन्हें बिना शर्त रिहा कर दिया गया। हमारे 54 सैनिकों को रिहा नहीं किया गया। उनको क्या हुआ? पीओके वापस नहीं किया गया। एल.ओ.सी. पर सहमति होनी थी। वार्ता

की मेज पर सैनिकों ने क्या जीता और क्या खोया, इस बारे में हमें क्या कहना चाहिए? पराजित कौन है? युद्ध कोई बॉलीवुड फिल्म जैसा नहीं है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने सेना को पूरी आजादी दे दी है। मेरे कांग्रेसी मित्र जो अब आल-ोचना कर रहे हैं, क्या हमला मुंबई में नहीं हुआ था? क्या आपने सेना को जवाबी हमला करने की आजादी दी थी? क्या आपने सेना को उस समय स्वतंत्रता दी थी जब कई आतंकवादी हमले हुए थे? आपने पत्थर फेंकने वालों को जवाब में गोली चलाने का अधिकार भी नहीं दिया, है न? भले ही उन्होंने भारत और भारतीय ध्वज का अपमान किया और पाकिस्तान के पक्ष में नारे लगाए, लेकिन हमारे सैनिकों को यह अपमान सहना चाहिए था। क्या यह ऐसी दोस्ती है?

जब पूरा देश कह रहा था कि युद्ध की जरूरत है, तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि युद्ध नहीं, शांति की जरूरत है। उनका बयान यह कहते हुए मुख्य समाचार बना कि सिद्धरामैया साहब पाकिस्तान में हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानियों ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ उनके शब्दों का प्रयोग किया था। हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि अब से कोई भी आतंकवादी हमला युद्ध को निमंत्रण है। आपने क्या किया?

कोर्ट ने सड़कों पर व्हीलिंग को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने का किया आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने व्हीलिंग के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए विशिष्ट कानूनी प्रावधानों की कमी पर गंभीर चिंता जताई है और इसे रोकने के लिए सख्त कानून बनाने का आह्वान किया है। व्हीलिंग एक खतरनाक स्टंट है, जिसमें दोपहिया वाहन चालक गाड़ी चलाते समय आगे का पहिया उठाते हैं।

जस्टिस वी श्रीशानंद ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि मौजूदा कानून इस तरह के व्यवहार को रोकने में कारगर नहीं हैं। वर्तमान में, व्हीलिंग करने वाले व्यक्तियों पर केवल लापरवाही या तेज गति से वाहन चलाने से संबंधित प्रावधानों के तहत आर-ोप लगाया जा सकता है, जो जमानती अपराध हैं। जस्टिस श्रीशानंद ने कहा कि वे प्रावधान कानून प्रवर्तन के लिए ऐसे खतरनाक कृत्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए अपर्याप्त हैं। उन्होंने कहा मोटर वाहन अधिनियम को लागू करते समय, शायद कानून निर्माताओं ने ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की थी, जहां दोपहिया वाहन को केवल पीछे के पहिये पर चलाया जाएगा। इस तरह के स्टंट में तेज वृद्धि को देखते हुए, न्यायालय ने राज्य से व्हीलिंग को लक्षित करने वाले सख्त कानून बनाने का आह्वान किया।

न्यायाधीश ने कहा इस तरह की



घटनाओं में खतरनाक वृद्धि के मद्देनजर, राज्य और प्रवर्तन एजेंसियों का यह कर्तव्य है कि वे आवश्यक वैधानिक प्रावधान लागू करें और इस खतरनाक प्रवृत्ति को दबाने के लिए कड़े उपाय अपनाएं। न्यायालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि व्हीलिंग का कार्य न केवल सवारों और पीछे बैठे यात्रियों के जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

न्यायालय ने कहा युवा मोटरसाइकिल चालक गलत तरीके से व्हीलिंग को बहादुरी के बराबर समझते हैं, वे इसके जानलेवा परिणामों से अनजान हैं। यह ला-परवाह व्यवहार सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को बाधित करता है। अदालत ने यह बात अक्टूबर 2024 में दो पीछे बैठे सवारों के साथ मोटरसाइकिल पर व्हीलिंग करने के आरोपी व्यक्ति द्वारा दायर जमानत याचिका को खारिज करते हुए कही। पुलिस के अनुसार स्टंट तब दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब अधिकारियों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया। इसके बाद

एक टकराव हुआ, जिसके दौरान आरोपी ने कथित तौर पर अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें चोटें पहुंचाईं और पुलिस का फोन नहर में फेंककर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। जबकि आरोपी ने कहा कि पुलिस के साथ व्यक्तिगत विवाद के कारण उसे झूठा फंसाया गया है, उच्च न्यायालय इससे सहमत नहीं था। न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष के इस दावे को भी ध्यान में रखा कि याचिकाकर्ता बार-बार अपराधी रहा है और घटना के दौरान उसका व्यवहार आक्रामक था। अदालत ने अपने समापन टिप्पणी में कहा केवल आरोप पत्र दाखिल करने से जमानत का औचित्य नहीं बनता। परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होने पर याचिकाकर्ता जमानत के लिए उचित अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र है। वकील सादिक एन गुडवाला ने याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व किया, जबकि सरकारी वकील गिरिजा एस हीममथ ने राज्य की ओर से पेश हुए।

छठी कक्षा के छात्र ने नौवीं कक्षा के चित्तपुर निर्वाचन क्षेत्र के 87 गांवों का विकास दोस्त की चाकू घोंपकर हत्या की 150 करोड़ की लागत से किया जाएगा: मंत्री

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली के गुरुसिद्धेश्वर नगर में एक चौकाने वाली घटना हुई, जिसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। कक्षा 6 के 13 वर्षीय छात्र ने अपने 15 वर्षीय दोस्त, कक्षा 9 के छात्र को चाकू घोंपकर मार डाला। पीड़ित चेतन रक्सासगी पर कथित तौर पर आरोपी लड़के के घर के बाहर हमला किया गया। दोनों लड़के घनिष्ठ मित्र थे और एक दूसरे के सामने रहते थे। सूत्रों के अनुसार, छोटा लड़का अपने घर से चाकू लाया और झगड़े के दौरान चेतन के पेट के बाएं हिस्से में चाकू घोंप दिया। चाकू घोंपने की यह घटना 12 मई को शाम 7 बजे के आसपास हुई, जब लड़के दोस्तों के एक समूह के साथ खेल रहे थे और दुकान चलाने का नाटक कर रहे थे। दोनों के बीच मामूली कहासुनी हुई, जिसके बाद कक्षा 6 का लड़का घर गया, चाकू लाया और चेतन पर चाकू



घोंप दिया। शोर सुनकर आरोपी लड़के की मां मौके पर पहुंची और चेतन की मदद करने की कोशिश की। वह उसे तुरंत अस्पताल ले गई, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। चेतन ने अभी-अभी कक्षा 9 पास की थी, और आरोपी ने हाल ही में कक्षा 6 पास की थी। दोनों के बारे में कहा जाता था कि वे एक-दूसरे से अविभाज्य थे – हर दिन साथ खेलते थे और खाना भी साथ खाते थे। आरोपी की मां ने आँसू बहाते हुए अपने बेटे की हरकतों पर अविश्वास और खेद

व्यक्त किया, कहा कि चेतन एक अच्छा लड़का था और दोनों सबसे अच्छे दोस्त थे। इस घटना ने हुब्बल्ली पुलिस को झकझोर कर रख दिया है। शहर के पुलिस आयुक्त एन शशिकुमार ने अस्प-ताल का दौरा किया, जाँच की और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। आयुक्त ने एक बयान में कहा हमारी सेवा में यह पहली बार है कि इतने छोटे बच्चे ने मामूली झगड़े के कारण हत्या की है। माता-पिता को अपने बच्चों के व्यवहार के प्रति सतर्क रहना चाहिए। कमरीपेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को आगे की कानूनी कार्यवाही तक किशोर गृह भेज दिया गया है। इस घटना ने स्थानीय समुदाय में खलबली मचा दी है, जिससे बच्चों में आक्रामकता और संघर्ष समाधान की कमी को लेकर बढ़ती चिंताएँ उजागर हुई हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायत राज, आईटी-बीटी और कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खड्गे ने अपने चित्तपुर निर्वाचन क्षेत्र के 87 गांवों को कवर करते हुए 150 करोड़ की लागत वाली एक व्यापक ग्रामीण विकास योजना की घो-षणा की। चित्तपुर शहर में अमृत 2.0 योजना के तहत दो प्रमुख पेयजल परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियांक ने घोषणा की, 87 गांवों के विकास का काम अगले 15 दिनों में शुरू होने वाला है। इनमें से एक परियोजना चित्तपुर को आपूर्ति करने के लिए कमीना नदी से पानी खींचने के लिए 45.53 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी, जबकि दूसरी परियोजना भीमा नदी से वादी को पानी आपूर्ति करने के लिए 32.81 करोड़ रुपये



की लागत से बनेगी। दोनों परियोजनाओं के अगले 18 महीनों के भीतर पूरी तरह चालू होने की उम्मीद है, जिससे प्रति व्यक्ति प्रति दिन 125 लीटर पानी उपलब्ध होगा। प्रियांक ने कहा ग्रामीण विकास का खाका प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है। प्रत्येक गांव को जनसंख्या के आधार पर 1 करोड़ रुपये से लेकर 3.5 करोड़ रुपये तक का आवंटन मिलेगा। चित्तपुर और वादी शहरों को

आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 150-150 करोड़ रुपये मिलेंगे। राज्यव्यापी ग्रामीण विकास प्रयासों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रगति पथ और कल्याण पथ योजनाओं के तहत 8,260 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का विकास किया गया और ग्रामीण युवाओं की सहायता के लिए 5,770 अरिक् केंद्र (ज्ञान केंद्र) स्थापित किए गए। उन्होंने कहा जिले के सभी ज्ञान केंद्रों को अगले तीन वर्षों में डिजिटल कर

दिया जाएगा। राजस्व संग्रह में ग्राम पंचायतों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रियांक ने कहा कि कर्नाटक भर में ग्राम पंचायतों ने करों में रिकॉर्ड 1,281 करोड़ एकत्र किए। हमने 3,867 क्रेच स्थापित किए हैं जहाँ काम के घंटों के दौरान मनरेगा मजदूरों के शिशुओं और छोटे बच्चों की देखभाल की जाती है। वर्तमान में, इन केंद्रों में 50,000 से अधिक बच्चों की देखभाल की जा रही है। हम ग्रामीण क्षेत्रों को अपनी बिजली पैदा करने की सुविधा देने

की पहल के तहत गुंडागुर्थी गाँव में 25 करोड़ का सोलर ग्रिड स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैंने चित्तपुर निर्वाचन क्षेत्र में कई विकास परियोजनाएँ लाई हैं। यह कोई एहसान नहीं, बल्कि मेरी जिम्मेदारी है। मैं बस अपने मतदाताओं के भरोसे को चुका रहा हूँ। जब मैंने पहली बार चुनाव लड़ा था, तो कुछ लोगों ने मेरी उम्मीदवारी का विरोध किया था। बाद में, मीडिया ने भी चित्तपुर के विधायक को आईटी-बीटी मंत्री के रूप में नियुक्त करने पर सवाल उठाए। लेकिन आपके आशीर्वाद से, हमने इस पोर्टफोलियो को सफलता की कहानी में बदल दिया। अब, लोग उम्मीद करते हैं कि आईटी-बीटी मंत्री चित्तपुर से होंगे। उन्होंने जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि एक निश्चित प्रतिनिधि के रूप में विकास कार्य उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है।

सीट विवाद को लेकर यात्री ने खींची ट्रेन की चैन, लगा जुर्माना



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीट को लेकर हुए झगड़े के दौरान ट्रेन की इमरजेंसी चैन खींचने वाले यात्री पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 1,500 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह घटना मंगलवार को सुब्रह्मण्य से रवाना हुई पैसेंजर ट्रेन में हुई। ट्रेन में भीड़ होने के कारण बंटवाल के पास सीट को लेकर दो यात्रियों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में आकर



एक यात्री ने इमरजेंसी चैन खींच दी, जिससे ट्रेन रुक गई। रेलवे अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और घटना के बारे में जानकारी जुटाई। मेंगलूरु जंक्शन पहुंचने पर आरपीएफ अधिकारियों ने चैन खींचने वाले व्यक्ति की पहचान की, जांच की और उसे दोबारा ऐसी हरकतें न करने की चेतावनी देते हुए 1,500 रुपये का जुर्माना लगाया।

सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो नाबालिग हिरासत में

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ हाल ही में हुए सामूहिक बलात्कार के बाद किशोर न्याय अधिनियम और पॉक्सो अधिनियम के कुछ प्रावधानों के तहत कानून का उल्लंघन करने वाले तीन बच्चों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो नाबालिग लड़कों को हिरासत में लिया है। एक और फरार है। कथित अपराध 6 मई को किया गया था।

लड़की के माता-पिता ने 12 मई को शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, आरोपी लड़की के परिचित हैं। उन्होंने उससे दोस्ती की और जन्मदिन की पार्टी मनाने के बहाने उसे एक खेत में ले गए। मामला दर्ज कर लिया गया है।

पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने पर तकनीकी विशेषज्ञ गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के जश्न के दौरान एक इमारत की बालकनी पर खड़े होकर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने के आरोप में व्हाइटफील्ड पुलिस स्टेशन ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया इंजीनियर छत्तीसगढ़ का मूल निवासी शुभांशु शुक्ला (25) हैं, जो प्रशांत लेआउट में एक पीजी में रहता है। शहर की एक आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभांशु शुक्ला अपने दोस्त के साथ इस पीजी के एक कमरे में रहता है। 9 मई को लगभग 12.30 बजे शुक्ला और उनके दोस्त बालकनी में खड़े होकर देख रहे थे कि पीजी में कई युवा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मना रहे थे। उसी समय बालकनी से पाकिस्तान समर्थक नारे सुनाई दिए। जश्न मना रहे युवा लोग यह देखकर क्षण भर के लिए चौंक गए



कि कहीं आतंकवादी यहां भी तो नहीं आ गए। जब वे बाहर आए तो उन्होंने देखा कि दो लोग बालकनी पर खड़े होकर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगा रहे थे। उन्होंने तुरंत नियंत्रण कक्ष पर फोन किया और पुलिस को सूचित किया। सामने स्थित पीजी में रहने वाले एक युवक ने बालकनी में खड़े इन दोनों युवकों का मोबाइल फोन पर वीडियो बना लिया था। खबर सुनते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बालकनी पर खड़े दो लोगों को हिरासत में लिया तथा उनसे नारे लगाने वाले के बारे में पृष्ठताछ की तो पता चला कि वह शुभांशु था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई की।

डिडुपे-इलानेरू-समसे सड़क के विकास के लिए दिनेश गुंडू राव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर बेलथांगडी-डिडुपे-इलानेरू-समसे सड़क के विकास के लिए अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने को कहा है। केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि सड़क विकास के लिए आवश्यक सर्वेक्षण करने और संबंधित अधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक समन्वय किया जाना चाहिए। पत्र में उन्होंने कहा कि बेलथांगडी तालुक के मालवर्तिये गांव में इलानेरू, गुथ्याडका, बंगरगी, उक्कुडा और कुरुचूरु सैकड़ों परिवारों का घर है। बेलथांगडी तालुक पंचायत का दौरा करने के लिए, इन निवासियों को कुद्रेमुख-बजागोली-बेलथांगडी के माध्यम से लगभग 120 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। लेकिन अगर



इलानेरू-डिडुपे सड़क विकसित की जाती है, तो इन क्षेत्रों के लोगों को मालवर्तिये ग्राम पंचायत तक पहुंचने के लिए सिर्फ 9 किलोमीटर और तालुक केंद्र तक पहुंचने के लिए 20 किलोमीटर की यात्रा करनी होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के निवासी कई दशकों से इस 9 किलोमीटर की सड़क के विकास की मांग कर रहे थे। लेकिन सड़क के विकास पर काम करने के लिए वन विभाग के वन्यजीव प्रभाग से मंजूरी की जरूरत थी। पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान, वन विभाग के वन्यजीव प्रभाग ने सड़क के विकास के लिए एक सर्वेक्षण

करने की अनुमति दी थी। फिर भी, सड़क के विकास के लिए सर्वेक्षण कार्य में अब तक कोई प्रगति नहीं देखी गई है। मंत्री ने कहा कि मानसून के मौसम में, चारमाडी और शिरडी घाट खंड पर भूस्खलन से यातायात की भीड़ बढ़ जाती है। तटीय और पहाड़ी क्षेत्रों के बीच संपर्क टूट जाता है, जिससे तटीय क्षेत्र टापू बन जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा अगर इलानेरू-डिडुपे सड़क को समसे तक विकसित किया जाता है, तो यह तटीय और घाट क्षेत्रों को जोड़ने वाला एक वैकल्पिक मार्ग बन जाएगा।



श्रीलंका में छह डॉल्फिन समुद्र तट पर मिलीं, चोट देखकर विज्ञानी चिंतित

कोलंबो, 14 मई (एजेंसियां)।

श्रीलंका में कम से कम छह डॉल्फिन समुद्र तट पर मिली हैं। सभी चोटिल हैं। इससे वन्यजीव विज्ञानी चिंतित आश्चर्यचकित हैं। वह इसकी वजह के लिए अशांत समुद्री परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहे हैं। देश के वरिष्ठ वन्यजीव अधिकारियों ने इसके निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अध्ययन शुरू किया है।

खबर में वन्यजीव अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि कलुटारा साउथ बीच पर कम से कम छह डॉल्फिन बहकर किनारे पर आ गईं। वन्यजीव संरक्षण विभाग की पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारियों ने कहा कि डॉल्फिन को स्पष्ट चोटों के साथ पाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में अशांत समुद्री परिस्थितियों की भी भूमिका हो सकती है। इसलिए, कलुटारा साउथ बीच के आसपास की सटीक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

समुद्रीय विज्ञानियों के अनुसार, डॉल्फिन को चोट लगने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें कुछ मुख्य कारण हैं- मछली पकड़ने के उपकरणों में उलझना। महासागर का प्रदूषण।

आवास की हानि। जलवायु परिवर्तन और ध्वनि प्रदूषण। डॉल्फिन का शिकार। गैर जिम्मेदार पर्यटन। इसके अतिरिक्त नावों से टकराना, फंगल संक्रमण और मनुष्यों का प्रताड़ित करना भी डॉल्फिन को चोट पहुंचाने का कारण बन सकता है।

श्रीलंका के दक्षिणी समुद्र के जल में ब्लू व्हेल, ब्राइड्स व्हेल, स्पर्म व्हेल, फिन व्हेल, बॉटल नोज डॉल्फिन, कॉमन डॉल्फिन और स्पिनर डॉल्फिन पाई जाती हैं। कलपिट्टिया के जल में स्पिनर डॉल्फिन के बड़े समूह पाए जाते हैं।

यहां स्पर्म व्हेल, ब्लू व्हेल, पिग्मी स्पर्म व्हेल और पायलट व्हेल भी बड़े समूहों में देखे जाते हैं। शर्मीली पिग्मी किलर व्हेल और पेलाजिक

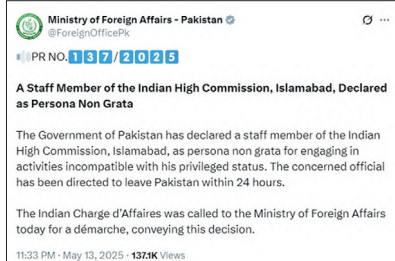
मेलन-हेडेड व्हेल इसानों को शायद ही कभी दिखाई देती हैं। लेकिन वह श्रीलंका के समुद्र में पूरे साल रहती हैं।

रिसो की डॉल्फिन भी एक गहरे पानी की प्रजाति है। यह भी इसानों से दूर रहती है। कभी-कभी धनुषाकार तरंगों पर सर्फ करती है। ऐसा खुरदरे दांतों वाली डॉल्फिन भी करती है। कभी-कभी फ्रेजर और धारीदार डॉल्फिन के विशाल झुंड दिखाई देते हैं।

उथले पानी की स्पिनर डॉल्फिन की कलाबाजा अकसर देखने को मिलती है। एथलेटिक स्पॉटिड डॉल्फिन नावों के आसपास खेलते हैं। व्हाइट इंडो-पैसिफिक हंपबैक, किलर व्हेल और फॉल्स किलर व्हेल भी दिखाई देते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान ने भारतीय अधिकारी को दिया देश छोड़ने का आदेश



इस्लामाबाद। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बाँखलाए और आतंकवादियों के पोषक पाकिस्तान ने अब इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग एक अधिकारी को देश छोड़ने का आदेश दिया है। पाकिस्तान ने उस पर जासूसी करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने 13 मई के इस आदेश को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने लिखा, इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के साथ असंगत गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अव्यक्ति व्यक्ति घोषित किया है। संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

जेलेंस्की का ट्रंप से तुर्किये शांति वार्ता में मौजूद रहने का आग्रह



कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से तुर्किये में रूस के साथ होने वाली शांति वार्ता में शामिल होने का आग्रह किया है। जेलेंस्की को उम्मीद है कि अगर ट्रंप इस दौरान मौजूद रहते हैं तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा। जेलेंस्की को विश्वास है कि ट्रंप इस दौरान मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि व्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप जरूरत पड़ने पर तुर्किये पहुंचने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरा चुके हैं। इस बीच जेलेंस्की ने कहा कि वह राष्ट्रपति रेंसेप तैयप एर्दोगन से मिलने के लिए तुर्किये की राजधानी अंकारा जाएंगे और गुरुवार को इस्तांबुल में अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी बातचीत के लिए उपलब्ध रहेंगे। कीव में जटिलताओं में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करेंगे कि यह बैठक हो। हालांकि रूस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि इस्तांबुल कौन जाएगा। क्रैमलिन ने केवल इतना कहा है कि पुतिन अगर इसकी जरूरत समझते हैं तो इसकी घोषणा की जाएगी। दोनों देशों के बीच आखिरी बार सीधी बातचीत इस्तांबुल में मार्च 2022 में हुई थी। यह वही वक्त था जब रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया था।

अमेरिका में मेनेडेज बंधुओं को माता-पिता की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा, 30 साल से ज्यादा जेल में काटे रिहाई का रास्ता साफ



वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बेवली हिल्स हवेली कैलीफोर्निया में अपने पिता जोस और मां किट्टी मेनेडेज की हत्या के जुर्म में लाइल और एरिक मेनेडेज को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों तीन दशक के अधिक समय से जेल में बंद हैं। लाइल अब 57 और एरिक 54 वर्ष के हैं। लॉस एंजिल्स सुपीरियर कोर्ट के जज माइकल बी. जैसिक ने यह फैसला परिवार के सदस्यों की गवाही के एक दिन बाद सुनाया। खबर के अनुसार, सुपीरियर कोर्ट ने जेल से रिहाई की संभावना के मद्देनजर दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। परिवार के सदस्यों ने गवाही दी कि दोनों भाइयों ने शिक्षा और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जेल के अंदर अपने जीवन को बदल दिया है। उन्होंने अदालत से 1989 के इस फैसले में दोनों भाइयों को कम से कम सजा सुनाने का आग्रह किया। लाइल और एरिक की मौसी जोन वेंडरमोलेन की गवाही इस फैसले में सबसे अहम रही। जज जैसिक ने फैसले में लिखा कि यह बहुत ही भयानक अपराध था। गुनाह बहुत चौकाने वाला था। जेल सुधार अधिकारियों ने दोनों के जीवन में बदलाव के साक्ष्य उपलब्ध कराए। इन साक्ष्यों ने स्पष्ट रूप से इस फैसले में फैसले को प्रभावित किया। बचाव पक्ष के वकील मार्क गेरागोस ने फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह न्यायाधीश जैसिक को सलाम करते हैं।

फ्रांस में कान्स फिल्म फेस्टिवल का आगाज, रेड कार्पेट पर उर्वशी रौतेला का जलवा, ज्यूरी मेंबर बनीं पायल कपाड़िया



कान्स (फ्रांस)

दुनिया के मशहूर और प्रतिष्ठित फिल्म उत्सव 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का आगाज हो गया। इसका समापन 24 मई को होगा। फेस्टिवल के पहले दिन 13 मई को अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने दुनियाभर की जानी-मानी हस्तियों के साथ रेड कार्पेट पर शिरकत की। इस दौरान उनके साथ नजर आया उनका खास पैरेंट क्लच। इसने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उर्वशी ने मल्टीकलर गाउन, डायमंड क्राउन और क्रिस्टल पैरेंट क्लच के साथ अपनी शानदार एंटी दर्ज कराई। उन्होंने जुडिथ लोबर का लगभग पांच हजार डॉलर (करीब 4.2 लाख रुपये) की कीमत वाला पैरेंट क्लच कैरी किया।

भारतीय फिल्म मेकर पायल कपाड़िया भी इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल की ज्यूरी का हिस्सा बनीं हैं। उनकी फिल्म ऑल को इमेजिन एज लाइट ने पिछले साल कान्स में ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड जीतकर देश का नाम रोशन किया था। इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में पायल कपाड़िया ज्यूरी मेंबर के तौर पर शामिल हुईं। फेस्टिवल के पहले दिन पायल को अपने साथी ज्यूरी मेंबरस के साथ देखा गया। इस बार ज्यूरी पैनल में कई दिग्गज शख्सियत शामिल हैं, जिनमें फ्रेंच एक्टर जुलिएट बिनोश, अभिनेत्री और निर्देशक हाल्ले बेरी, इटालियन एक्टर अल्बा रोस्वाकर, राइटर लीला स्लिमानी, डायरेक्टर होंग सेंग सू, डायरेक्टर-राइटर इयूडो हमदा, डायरेक्टर-राइटर कार्लोस रेगाडज और अमेरिकन एक्टर जेरेमी स्ट्रॉन्ग का नाम शामिल है।



कान्स फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन टाइटेनिक फेम अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने पाम डिऑर अवॉर्ड प्रेजेंट किया। हालांकि, वह रेड कार्पेट पर नजर नहीं आए। जैसे ही वह अवॉर्ड देने मंच पर पहुंचे तो दर्शकों ने उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देकर जोरदार स्वागत किया। लियोनार्डो की मौजूदगी ने समारोह के पहले दिन के माहौल को और भी खास बना दिया। लियोनार्डो डिकैप्रियो ने सीनियर हॉलीवुड एक्टर रॉबर्ट डी निरो को पाम डिऑर अवॉर्ड देते हुए उन्हें अपना रोल मॉडल बताया।

अवॉर्ड मिलने के बाद डी निरो ने कान्स फेस्टिवल का आभार जताया, लेकिन मंच से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर नाराजगी जाहिर की। डी निरो ने कहा, कला सच्चाई है, कला विविधता को अपनाती है और यही वजह है कि कला तानाशाहों के लिए हमेशा खतरा बनती है। अमेरिका के असभ्य राष्ट्रपति ने खुद को देश के प्रमुख सांस्कृतिक संस्थानों का प्रमुख बना लिया है। उन्होंने कला, मानवता और शिक्षा के लिए फंड में कटौती की है। अब वह अमेरिका से बाहर बनी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं। लेकिन आप कनेक्टिविटी पर कोई टैक्स नहीं लगा सकते। उनकी इस बेबाक स्पीच ने फेस्टिवल में खूब सुर्खियां बटोरीं। इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा को दमदार मौजूदगी देखने को मिलेगी। इशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेटवा अपनी फिल्म होमबाउंड को फेस्टिवल में पेश करेंगे। इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर अन सर्टेन रिगार्ड



सेक्शन में होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये तीनों कलाकार रेड कार्पेट पर भी शिरकत करेंगे। इसके अलावा, डायरेक्टर नीरज घायवान और फिल्ममेकर करण जोहर भी इस बार फेस्टिवल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

कान्स 2025 में भारतीय फिल्मों की शानदार मौजूदगी भारतीय सिनेमा की ताकत को एक बार फिर से वैश्विक मंच पर उजागर कर रही है। 'होमबाउंड', 'तन्वी द ग्रेट' जैसे उभरते प्रोजेक्ट्स से लेकर सत्यजीत रे की कालजयी कृति 'अरण्येर दिन रात्री' तक भारत इस बार कान्स में अपनी धाक जमा रहा है। इन फिल्मों के चयन ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाई है और फैंस सोशल मीडिया पर इनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। यह भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल है, जो दर्शाता है कि भारतीय फिल्मों का प्रभाव अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महसूस किया जा रहा है।

रेड कार्पेट पर नजर आएंगी आलिया भट्ट: आलिया भट्ट इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। वह लोरियल पेरिस की ग्लोबल एंबेसडर के तौर पर इस प्रतिष्ठित इवेंट में शिरकत करेंगी। जैकलीन फर्नांडिस भी दूसरी बार इस समारोह का हिस्सा बनेंगी। उर्वशी रौतेला पिछले साल की तरह इस बार भी अपने ग्लैमरस लुक के साथ फेस्टिवल में नजर आएंगी। इसके अलावा, ऐश्वर्या राय बच्चन हमेशा की तरह अपने खूबसूरत अंदाज से रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती दिखेंगी।

संयुक्त राष्ट्र ने सीरिया पर लगे प्रतिबंध को हटाने का अमेरिका के फैसला का किया स्वागत



संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने सीरिया पर लगे प्रतिबंध को हटाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसला का स्वागत किया है। यूएन ने कहा कि अमेरिका के इस कदम से सीरिया के पुनर्निर्माण की राह खुलेगी। सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष दूत गेय पैडरसन ने मंगलवार को अमेरिका द्वारा सीरिया की नई सरकार पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने के निर्णय का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने इसे सीरिया के पुनर्निर्माण और मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। यूएन ने कहा- सीरिया के पुनर्निर्माण की राह खुली पैडरसन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह फैसला न सिर्फ स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं की बहाली में सहायक होगा, बल्कि सीरियाई अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने, क्षेत्रीय समर्थन को प्रोत्साहित करने और देश की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सीरिया में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता की दिशा में प्रयास कर रही है। अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों को हटाना न केवल मानवीय सहायता को गति देगा, बल्कि सीरिया के क्षेत्रीय और वैश्विक मंच पर फिर से सक्रिय होने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार प्रमुख बनने के बाद पहली बार गृहनगर चटगांव पहुंचे

ढाका, 14 मई (एजेंसियां)।

मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद आज सुबह पहली बार अपने गृहनगर चटगांव पहुंचे। मुख्य सलाहकार और उनके सहयोगियों को लेकर विमान बांग्लादेश एयरलाइंस का विमान सुबह लगभग 9:22 बजे चटगांव के शाह अमानत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, मोहम्मद यूनुस अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान चटगांव बंदरगाह का दौरा करेंगे और बंदरगाह के अंदर एनसीटी-5 परिसर में एक बैठक में भाग लेंगे। वह बंदरगाह और शिपिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न बंदरगाह उपयोगकर्ता संगठनों के प्रतिनिधियों और व्यापार निकायों के नेताओं के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके बाद चटगांव सर्किट हाउस जाएंगे। वहां कर्णफुली नदी पर कलुरघाट पुल की आधारशिला रखेंगे। वह चटगांव के अधिकारियों से शहर में जलभराव और शहर के ऑक्सीजन चोराहे से हाथजारी रोड पर यातायात के दबाव पर भी चर्चा करेंगे। यूनुस एक समारोह में चटगांव नेशनल हार्ट फाउंडेशन



की जमीन के दस्तावेज भी सौंपेंगे। वह चटगांव विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वह हाथजारी उपजिला में शिकारपुर संघ के तहत बथुआ गांव में अपने पैतृक घर का भी दौरा करेंगे। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, मुक्ति युद्ध मामलों के सलाहकार फारूक-ए-आजम,

ऊर्जा सलाहकार डॉ. मोहम्मद फौजुल कबीर खान, शिक्षा सलाहकार सीआर अबरार, स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेराम, मत्स्य पालन और पशुधन सलाहकार फरीदा अख्तर, एसडीजी मामलों की प्रमुख समन्वयक लामिया मोशर्रद और मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम मुख्य सलाहकार के साथ हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच दोनों देशों के मंत्री काटमांडू में होंगे आमने-सामने

काटमांडू, 14 मई (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के बाद भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के अस्थायी रूप से रुकने के बाद भी कूटनीतिक और राजनीतिक रूप से स्थिति अब भी सहज नहीं है। ऐसे में दोनों देशों के मंत्री काटमांडू में दो दिनों तक एक ही कार्यक्रम में शिरकत करने वाले हैं।

नेपाल सरकार के द्वारा 16-18 मई को सागरमाथा संवाद का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत, पाकिस्तान और चीन सहित कई



देशों के प्रतिनिधि सहभागी होने वाले हैं। जलवायु परिवर्तन को लेकर होने जा रहे इस सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में भारत की तरफ से वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव सहभागी होने वाले हैं। इसी कार्यक्रम में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने के लिए वहां के वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन मामलों के मंत्री डा मुसादिक मसूद मलिक के सहभागी होने की जानकारी दी गई है। इस्लामाबाद में नेपाल की राजदूत रीता धिताल ने मंगलवार को शाम को मुलाकात कर उन्हें काटमांडू आने का औपचारिक न्योता दिया है। माना जा रहा है कि मलिक ही पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करते हुए सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में सहभागी होने वाले हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चली जंग के बाद इस समय अस्थायी तौर पर युद्धविराम की घोषणा के बाद यह पहली बार होगा जब किसी अंतराष्ट्रीय फोरम पर दोनों देशों के

मंत्री एक साथ नजर आने वाले हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नाम अपने संबोधन में यह कहा था कि टेरर और टॉक एक साथ नहीं चल सकता है। ट्रेड और टॉक एक साथ नहीं चल सकता है। अब देखना यह है कि दो दिनों तक काटमांडू में एक ही कार्यक्रम में सहभागी होने के बावजूद भारत और पाकिस्तान के मंत्री का एक दूसरे के प्रति क्या रवैया रहने वाला है।

सागरमाथा संवाद कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के तौर पर चीन की संसद के डिप्टी स्पीकर जियाओ जिफे सहभागी होने जा रहे हैं। पहले इस कार्यक्रम के लिए नेपाल सरकार के तरफ से भारत और चीन के प्रधानमंत्री को न्योता भेजा गया था लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में व्यस्तता का हवाला देते हुए इंकार कर दिया था जिसके बाद चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने भी अंतिम समय में अपना दौरा रद्द कर दिया है।



यूएई नेशनल डे पर शुरू होगा डीपी वर्ल्ड टी20 लीग का चौथा सीजन

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। डीपी वर्ल्ड अंतरराष्ट्रीय लीग टी-20 के चौथे संस्करण की शुरुआत इस साल के अंत में 2 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर होगी। यह प्रतियोगिता 4 जनवरी 2026 तक चलेगी, जिसमें 6 टीमों के बीच 34 मुकाबले खेले जाएंगे।

इस बार टूर्नामेंट का आयोजन उसके पारंपरिक जनवरी-फरवरी समय से पहले किया जा रहा है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय टी-20 विश्व कप फरवरी-मार्च 2026 में होने वाला है।

टी-20 लीग के अध्यक्ष और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरून ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि लीग का चौथा संस्करण यूएई के राष्ट्रीय पर्व ईद-अल-इत्तिहाद पर शुरू होगा। यह दिन हमारे लिए गर्व का प्रतीक है और दुनियाभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्सव का अवसर भी। यूएई विभिन्न देशों से आए लोगों का घर है और यह लीग हमारे इस विविधता भरे समाज को एकजुट करने का अवसर देती है।

टी-20 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट ने कहा, हमने सभी संबंधित पक्षों से चर्चा के बाद दिसंबर-जनवरी की अवधि तय की है, जिससे विश्व कप से पहले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम की तैयारी का पूरा समय मिल सके। उन्होंने आगे कहा, यह समय टीमों को बेहतर खिलाड़ियों की उपलब्धता भी देगा, जिससे मुकाबले और रोमांचक होंगे।

पिछले सीज़न में दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ी मैदान में नजर आए थे, जिनमें प्रमुख नाम निकोलस पूरन, सैम करन (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - लाल बेल्ट), शाई होप (सर्वाधिक रन - हरी बेल्ट), फज़लहक फारूकी (सर्वाधिक विकेट - सफेद बेल्ट), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, डेविड वॉर्नर, रियम साउदी, फखर ज़मान, और एडम ज़म्पा के हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

कोपा अमेरिका विवाद: सीएएस ने उरुग्वे के खिलाड़ियों की अपील खारिज की,पांच खिलाड़ी रहेंगे निलंबित



लुसाने। खेलों की सर्वोच्च अदालत कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने उरुग्वे के पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अपील खारिज कर दी है। इन खिलाड़ियों पर पिछले साल जुलाई में कोपा अमेरिका सेमीफाइनल में कोलंबिया से हार के बाद बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम (नॉर्थ कैरोलिना, यूएस) में दर्शकों से भिड़ने का आरोप था। कोर्ट ने साफ कहा कि यह हरकत 'स्वस्थ' नहीं, बल्कि स्वेच्छा से की गई हिंसात्मक और अनुचित प्रतिक्रिया थी। इस विवाद में लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो, और एटलेटिको मैड्रिड के डिफेंडर जोस मारिया गिमेनेज़ शामिल थे। इनके अलावा टॉटनहम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटनकुर और नापोली के डिफेंडर माथियास ओलिवेरा भी इस झड़प में शामिल पाए गए। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल संस्था कॉन्मेबोल ने इन सभी खिलाड़ियों को 3 से 5 मैचों के लिए निलंबित किया था। वर्ल्ड कप 2026 कालिफायर मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। मार्सेलो बिग्लिसा की कोचिंग में उरुग्वे की टीम इस समय 10 टीमों की कालिफाईंग तालिका में तीसरे स्थान पर है और वर्ल्ड कप के लिए कालिफाई करने की मजबूत स्थिति में है। वया है कालिफिकेशन की स्थिति दक्षिण अमेरिकी कालिफायर में शीर्ष 6 टीमें सीधे विश्व कप में जगह बनाएंगी, जबकि 7वें स्थान पर रहने वाली टीम इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ खेलेंगी। उरुग्वे फिलहाल वेनेजुएला से 6 अंक आगे है और उसके पास कालीफाई करने के लिए कुल 4 मैच बचे हैं।

शमी बेले अभी संन्यास का झ्रव नहीं अफवाह फैलाने वालों पर भड़के

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। शमी ने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया है जो उनके संन्यास की बातें कर रहे हैं। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही शमी के संन्यास को लेकर भी काफी अटकलें तेज हो रही हैं। शमी ने सोशल मीडिया में स्क्रीनशॉट साझा करते हुए संन्यास की खबरों को खारिज कर दिया है। शमी ने लिखा, बहुत अच्छा महाराज, अपने काम के दिन भी गिन लो, विदाई का किताना है बाद में देख लो। हमारा आप जैसे लोगों ने नुकसान कर दिया है। भविष्य को लेकर कभी तो अच्छा बोल लिया करें, सबसे खराब स्टोरी, सॉरी। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिटनेस समस्याओं से परेशान हैं। आईपीएल 2025 में वह हैदराबाद के लिए खेल रहे हैं पर उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और इस वजह से उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने पिछले दो साल से भारत के लिए टेस्ट मैच नहीं खेला है। शमी ने साल 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की ओर से टेस्ट खेला था। शमी 2023 एकदिवसीय विश्व कप के बाद चोट के कारण करीब एक साल तक खेल से दूर रहे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के जरिए भी वापसी के प्रयास किये हालांकि उसमें उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने वापसी के बाद से केवल एक ही लाल गेंद वाला मैच खेला है। शमी आजकल आईपीएल में खेल रहे हैं।

आईपीएल के बचे मैचों में विराट को कप्तान बनाना चाहती है आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली कप्तानी एक बार फिर कप्तानी संभाल सकते हैं। पाटीदार को पिछले मैच में चोट लग गयी थी जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहती है जिसे अनुभव हो और इसमें विराट से बेहतर कोई नहीं है। विराट ने लंबे समय तक टीम की कप्तानी की है। 17 मई से फिर शुरू हो रहे सत्र में विदेशी खिलाड़ी भी नहीं रहेंगे। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन चाहता है कि ऐसे व्यक्ति कप्तान बने जिससे टीम के प्रदर्शन में कोई फर्क ना पड़े। आईपीएल के इस सत्र में अब तक आरसीबी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह प्लेऑफ की दौड़ में शामिल है। टीम अपने पहले खिताब की ओर बढ़ रही है। इसी कारण टीम प्रबंधन के लोग चाहते हैं कि विराट कप्तानी के लिए मान जाएं हालांकि इसकी संभावना कम ही है। विराट ने एक दिन पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

देहरादून करेगा अगले महीने राइफल/पिस्टल स्पर्धाओं के नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 की मेजबानी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने घोषणा की है कि ग्रुप ए निशानेबाजों के लिए राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 का आयोजन 24 से 30 जून, 2025 तक देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के त्रिशूल शूटिंग रेंज में किया जाएगा। ये ट्रायल्स अगस्त में कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 और वर्ष के अंत में चीन और मिस्र में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम चयन में अहम भूमिका निभाएंगे।

देश के शीर्ष राइफल और पिस्टल निशानेबाज इन चयन ट्रायल्स में उस आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे, जो उन्होंने अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो चरणों की साउथ अमेरिकन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर अर्जित किया है। इस दौर में भारतीय निशानेबाजों ने 32 फाइनल मुकाबलों में जगह बनाई, जिसमें मिश्रित टीम स्पर्धाएं भी शामिल थीं, और कुल 15 पदक जीते जिनमें छह स्वर्ण पदक थे।

चयन मानदंडों के अनुसार केवल ग्रुप ए में शामिल पात्र निशानेबाजों को ही इन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति होगी। नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 में सभी ओलंपिक राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं को शामिल किया जाएगा और इसमें केवल शीर्ष रैंकिंग वाले सीमित संख्या में निशानेबाज ही भाग लेंगे। इसमें 10 मीटर एयर राइफल (पुरुष एवं महिला) और 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष एवं महिला) में 50-50 स्लॉट, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (पुरुष एवं महिला) में 30-30 स्लॉट, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (पुरुष) में 20 स्लॉट और 25 मीटर स्पोर्ट पिस्टल (महिला) में 30 स्लॉट होंगे।

ट्रायल्स का पहला दिन, 25 जून, ट्रायल-3 के तहत 10 मीटर एयर राइफल पुरुष, 25 मीटर पिस्टल महिला और 50 मीटर थ्री पोजीशन महिला स्पर्धाओं के कालिफाईंग राउंड और फाइनल के साथ शुरू होगा। अगले दिन ट्रायल-4 में इन्हीं स्पर्धाओं के कालिफाईंग और फाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।



आईपीएल के बचे हुए सत्र में पंजाब किंग्स को विदेशी खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ेगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 मई से शुरू हो रहे तीसरे मुकाबलों में पंजाब किंग्स को विदेशी खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ सकता है। इसका कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण उसके जो विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गये थे वे अब वापस नहीं लौटना चाहते हैं। इससे पंजाब के आईपीएल खिताब जीतने की संभावनाओं को झटका लग सकता है। पंजाब की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है और वह अब तक प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे रही है पर अब उसके आगे की राह कठिन होती जा रही है। पंजाब किंग्स की टीम फिलहाल अंक तालिका में 15 नंबर के साथ तीसरे नंबर पर है। उसके अभी तीन लीग मैच खेलने हैं। इनमें से एक मैच जीतने पर भी प्लेऑफ में उसकी जगह पक्की हो जाएगी पर ये इतना आसान नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार पंजाब किंग्स के चार विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टॉयनिस्, मार्को यानसेन, जोश इग्लिस और एरोन हार्डी अब तक भारत नहीं लौटे हैं। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर शुरू होना भी है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन और ऑस्ट्रेलिया के जोश इग्लिस को अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम में चुने गए हैं। ऐसे में यह भी संभव है कि अगर ये दोनों खिलाड़ी आईपीएल से वापस जुड़ें और फाइनल से पहले ही इंग्लैंड रवाना हो जाएं, जहां डब्ल्यूटीसी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। पंजाब किंग्स को अब राजस्थान, दिल्ली और मुंबई की टीमों से खेलना है। राजस्थान रॉयल्स से उसका मैच 18 को है। इसके बाद 24 मई को पंजाब और दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

एएफसी कप

चीन में जापान और वियतनाम के बीच एएफसी कप फुटबॉल मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, कई इंटरनेशनल टूर्नामेंट में बिखेरी चमक

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय चेस खिलाड़ी वर्तमान में दुनिया भर में चल रहे कुछ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। आइए नजर डालते हैं कुछ प्रमुख टूर्नामेंट में, जिनमें मंगलवार को भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

एशियन चेस चैंपियनशिप 2025

भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने एशियन चेस चैंपियनशिप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। ओपन सेक्शन में पांच पुरुष और वीमेन सेक्शन में चार भारतीय महिला खिलाड़ी टॉप 10 में शामिल हैं। महिला वर्ग में सेषादी रिखा ने पांच में से पांच मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ओपन सेक्शन में भारत के एल. श्रीहरि चौथे स्थान पर हैं, जबकि ईरान के बर्दिआ दानेशवर शीर्ष पर हैं। भारत के कार्तिकेयन मुरली और निहाल सरीन भी टॉप 10 में शामिल हैं — क्रमशः



सातवें और दसवें स्थान पर। यह चैंपियनशिप न केवल एशियन चैंपियन का खिताब तय करती है, बल्कि 2025 फाइनल वर्ल्ड कप के लिए कालिफायर भी है। ग्रांड चेस टूर: सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया 2025

ग्रांड चेस टूर 2025 के दूसरे चरण और क्लासिकल इवेंट 'सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया' में भारत के डी. गुक्तेश को राउंड 6 में अलीरेज़ा फिरोजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। छह राउंड के बाद गुक्तेश केवल 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं। वहीं, भारत के दूसरे प्रतिभागी आर. प्रज्ञानानंद ने जान-क्रिज़टोफ़ ड्रुडा से ड्रा खेला। उनके अब 6 में से 4.5 अंक हैं और वह अलीरेज़ा फिरोजा, फबियानो कारुआना और मैक्सिम वाशिए-लार्गेव के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

फाइनल वीमेन ग्रांप्री 2024-2025

फाइनल महिला ग्रांप्री श्रृंखला के ग्रॉसलोबमिंग चरण में अन्ना मुय्यचुक और झूजिनेर 5-5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। भारत की आर.

रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तानी को लेकर तेज हुई दौड़



नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के पिछले हफ्ते संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम के नए कप्तान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जहां एक ओर शुभमन गिल का नाम सामने आ रहा है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी के लिए मजबूत दावेदार बताया है।

अश्विन बोले- बुमराह हैं कप्तानी के हकदार - अपने शो 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा, इंग्लैंड जाने वाली टीम नई और बदली हुई होगी और उस टीम में शायद बुमराह सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे। वो निश्चित रूप से कप्तानी के विकल्पों में शामिल हैं। मैं मानता हूं कि वो इसके हकदार हैं, लेकिन चयनकर्ता

उनके शारीरिक भार को देखकर फैसला लेंगे।
बुमराह को पहले भी मिल चुकी है कप्तानी - गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह ने 2022 में एजबेस्टन में खेले गए पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत को कप्तानी की थी, जब रोहित शर्मा कोविड के कारण टीम से बाहर थे। उस मैच में भले ही भारत को हार मिली थी, लेकिन बुमराह को कप्तानी की काफी तारीफ हुई थी। इसके अलावा बुमराह ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत को 295 रन से जबरदस्त जीत दिलाई थी।

फिटनेस होगी सबसे बड़ा सवाल - हालांकि बुमराह की चोटों का इतिहास देखते हुए चयनकर्ता उन्हें फुल-टाइम टेस्ट कप्तान बनाने से पहले उनके वर्कलोड और फिटनेस को लेकर सावधानी बरत सकते हैं।
19 जून से लॉर्ड्स में शुरू होगी सीरीज - इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान इसी महीने के अंत तक होने की उम्मीद है। पहला टेस्ट मुकाबला 19 जून से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज महिला टीम घोषित, हेले मैथ्यूज करेंगी कप्तानी

तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज 21 मई से होगी शुरू



नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 21 मई से 8 जून के बीच खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच शामिल हैं। टीम की कप्तान एक बार फिर स्टार ऑलराउंडर हेले मैथ्यूज के हाथों में होगी, जबकि शेमेन कैपबेल उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी।

दो नए चेहरों को मिला मौका - इस स्काड में पिछले महीने पाकिस्तान में खेले गए वर्ल्ड कप कालिफायर की तुलना में दो बदलाव किए गए हैं। 120 वर्षीय गयाना की ऑलराउंडर रियलियाना ग्रिमंड और सेंट किट्स की तेज गेंदबाज जहांज़ारा क्लैक्सन को टीम में शामिल किया गया है। ये दोनों खिलाड़ी रशाडा विलियम्स (विकेटकीपर-बल्लेबाज) और चिरेल हेनरी (ऑलराउंडर) की जगह टीम का हिस्सा बनी हैं।

13 मई को इंग्लैंड रवाना होगी टीम - वेस्टइंडीज महिला टीम 13 मई को इंग्लैंड रवाना होगी। सीरीज की शुरुआत 21 मई को पहले टी20 मुकाबले से होगी, जो द स्पिटफायर ग्राउंड, केंटरबरी में खेला जाएगा।
पूरा कार्यक्रम
टी20 सीरीज:
पहला टी20 - 21 मई, केंटरबरी
दूसरा टी20 - 23 मई, होव
तीसरा टी20 - 26 मई, चेल्सफोर्ड

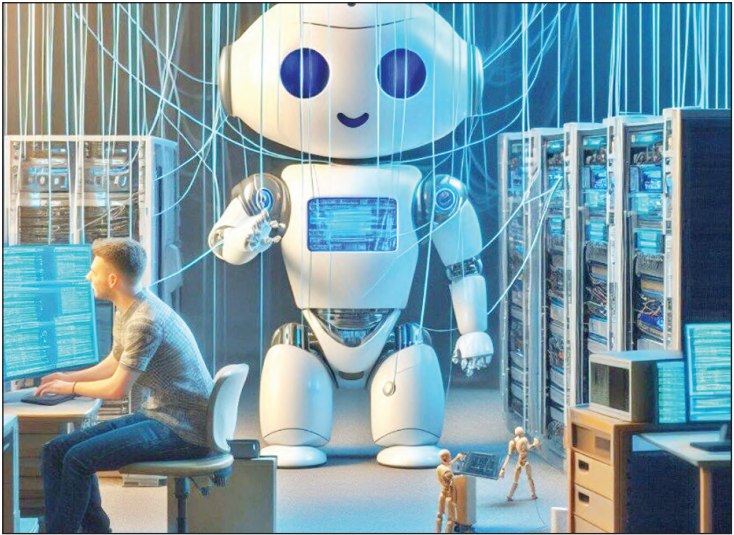
वनडे सीरीज:
पहला वनडे - 30 मई, डर्बी
दूसरा वनडे - 4 जून, लीसेस्टर
तीसरा वनडे - 7 जून, टॉटन
वेस्टइंडीज महिला टीम: हेले मैथ्यूज (कप्तान), शेमेन कैपबेल (उपकप्तान), आलिया एलेन, जहांज़ारा क्लैक्सन, अपनी फ्लेचर, चेरी एन फ्रेजर, शबीका गजनबी, जनीलिया ग्लासगो, रियलियाना ग्रिमंड, ायदा जेम्स, किआना जोसेफ, मैडी मंगरू, अश्विनी मुनिसार, करिशमा रामहरक, स्टेफनी टेलर।

आईपीएल में अब केवल खेल हों, डांस और डीजे नहीं : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कहा है कि 17 मई से दोबारा शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के दौरान डांस और डीजे नहीं होना चाहिये केवल मैच खेले जाने चाहिये। गावस्कर ने कहा है कि हाल में हुए पहलगाय आतंकी हमले में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है जिससे वे शोक में हैं। ऐसी स्थित में आईपीएल मैच में किसी भी प्रकार से मनोरंजन के इंतजाम नहीं होने चाहिये। गावस्कर ने कहा कि आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के दौरान भी सीमावर्ती इलाकों में कुछ लोगों की जाने गयीं हैं। ऐसे में उनके प्रति सम्मान जताते हुए हमें आईपीएल को खेल तक ही सीमित रखना चाहिये। उन्होंने कहा मैंने लोगों को आने दें पर संगीत न बजाए, ओवरों के बीच में डीजे न चिलाए, ऐसा कुछ भी न हो। बस खेल हो, कोई डांसर न हो, कुछ भी न हो केवल क्रिकेट हो। यह पींडित परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने का एक तरीका होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल का मौजूदा सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू करने का फैसला किया, जिसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा।

वैशाली सातवें राउंड में अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक से हारने के बाद चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। तान डोंगयी, जो मौजूदा महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप की रनर-अप हैं, 4.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर

हैं। यह ग्रॉसलोबमिंग लेग 2024-2025 महिला ग्रांप्री की अंतिम प्रतियोगिता है और यह अगली वीमेन कैंडेडिस्ट टूर्नामेंट के लिए अहम कालिफिकेशन इवेंट है।



बीपीओ इंडस्ट्री में अब इंसानों के बजाय एजेंटिक एआई कर रहा काम

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

54 बिलियन डॉलर की बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) इंडस्ट्री, जो पहले कामकाज और मानव संसाधन के कारण मशहूर थी, अब बड़े बदलाव से गुजर रही है। यह बदलाव अब इंसानों के बजाय कंप्यूटर से हो रहा है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से है।

भारत की बीपीओ इंडस्ट्री में हजारों कंपनियां और 20 लाख हैं कर्मचारी

एआई और एक नया प्रकार का एआई, जिसे एजेंटिक एआई कहते हैं, तेजी से बीपीओ इंडस्ट्री में बदलाव ला रहा है। यह एआई अब बिना इंसान की मदद से काम करता है और फैसले भी ले सकता है। इस बदलाव से न केवल सेवाओं का तरीका बदल रहा है, बल्कि कौन सी सेवाएं जरूरी यह भी पता कर रहा है।

यह बदलाव इंसानों को रिफ्लेस करने का नहीं

है, बल्कि इंसानों के काम करने की क्षमता को और बेहतर बनाने का है। गेनपेक्ट टेक्नोलॉजी और इनोवेशन चीफ ने कहा कि हम अब सामान्य एआई से बढ़कर ऐसे एआई बना रहे हैं, जो किसी खास सेक्टर के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अब ऐसे एआई एजेंट्स को व्यापार में शामिल कर रहे हैं, जो सीख सकते हैं और बेहतर काम कर सकते हैं।

बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) इंडस्ट्री को अक्सर कंपनियों के खर्च घटाने की रणनीति के रूप में देखा जाता है। कई बड़ी कंपनियां भारत से सस्ते और अच्छे कर्मचारियों की मदद लेकर कई तरह की सेवाएं देती रही हैं। इनमें कस्टमर सपोर्ट से लेकर अकाउंट, डेटा

एनालिसिस से लेकर लोन प्रोसेसिंग तक शामिल हैं।

भारत की बीपीओ इंडस्ट्री जिसमें हजार से ज्यादा कंपनियां काम कर रही हैं और जहाँ करीब 20 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है, अब तेजी से बदल रही है। पहले इस इंडस्ट्री सस्ते और अच्छे काम करने वाले लोगों से जानी जाती थी, लेकिन अब काम का तरीका बदल रहा है। अब बहुत सारे काम इंसान नहीं, बल्कि एआई से चलने वाले सॉफ्टवेयर कर रहे हैं। बिल मिलाना, नए ग्राहक को जोड़ना जैसे काम इंसान करते थे, अब ये काम स्मार्ट कंप्यूटर बोट्स कर रहा है। वह भी बिना किसी इंसानी मदद के। अब इस इंडस्ट्री में तीन चीजें साथ चल रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

चौथी तिमाही के नतीजों के बाद टाटा मोटर्स के शेयरों में आई गिरावट

मुंबई, 14 मई। टाटा मोटर्स के शेयर की कीमत में बुधवार को सुबह के कारोबार में 3 फीसदी की गिरावट आई, जो मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद चौथी तिमाही के नतीजों के बाद आई। टाटा मोटर्स ने लाभांश की भी घोषणा की है।

जगुआर लैंड रोवर के कमर्शियल व्हीकल निर्माता टाटा मोटर्स ने मंगलवार 13 मई को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही (वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही) के दौरान अपने समेकित शुद्ध लाभ में 51.34 फीसदी की साल-दर-साल गिरावट दर्ज की, जो 8,470 करोड़ रुपये थी. कंपनी ने पिछले वर्ष इसी अवधि में 17,407 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था. कंपनी की वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही बिक्री 1,19,502 करोड़ रुपये रही, जो साल-दर-साल 0.4 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी दिखाता है. टाटा मोटर्स, ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय साल-दर-साल 4.1 फीसदी गिरकर 16,700 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एबिटा मार्जिन 60 आधार अंक घटकर 14 फीसदी हो गया।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, हालांकि टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 25 के लिए 4,39,695 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 1.3 फीसदी अधिक था, लेकिन इसका लाभ 11.4 फीसदी गिरकर 27,830 करोड़ रुपये हो गया।

महंगाई में गिरावट का दावा करते हुए ट्रंप ने फेड से ब्याज दरों में की कटौती की मांग



वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फेडरल रिजर्व (फेड) से ब्याज दरों में कटौती की मांग की है। उन्होंने कहा कि गैस, ऊर्जा, किराना और लगभग हर चीज की कीमतों में गिरावट आई है, इसलिए अब फेड को दरें घटानी चाहिए। ट्रंप ने मंगलवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रथ सोशल पर लिखा, अब कोई महंगाई नहीं है और गैसोलीन, ऊर्जा, किराना और लगभग हर चीज के दाम कम हो गए हैं। फेड को अब दरें कम करनी चाहिए, जैसा कि यूरोप और चीन ने किया है। उन्होंने फेड चेयर जेरोम पावेल को एक बार फिर निशाने पर लेते हुए कहा, टू टैट पावेल को क्या हो गया है यह अमेरिका के साथ अन्याय है, जो अब पूरी तरह से खिलने के लिए तैयार है। इसे होने दो, यह एक खूबसूरत चीज होगी! ट्रंप पहले भी कई बार फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना है कि ब्याज दरों में कमी से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया के कई बड़े देश पहले ही दरें घटा चुके हैं। हालांकि फेडरल रिजर्व ने अब तक संकेत नहीं दिए हैं कि वह निकट भविष्य में दरों में कटौती करेगा। महंगाई को नियंत्रित करने के उद्देश्य से फेड ने पहले ही कई बार दरें बढ़ाई थीं।

गेल इंडिया लिमिटेड के तिमाही नतीजे किए जारी, 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ



मुंबई। गेल इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी ने 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ हुआ। यह बीते साल की इसी तिमाही में हुए 2,468.71 करोड़ के मुनाफे के करीब बराबर है। हालांकि, दिसंबर 2024 वाली पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफा में भारी गिरावट आई है। तब कंपनी का मुनाफा 4,081.56 करोड़ था, यानी इस बार मुनाफा करीब 39 प्रतिशत कम हुआ है। कंपनी की कुल ऑपरेशनल आय यानी रेवेन्यू 36,551.15 करोड़ रही, जो एक साल पहले की 32,833.24 करोड़ से 11.3 प्रतिशत ज्यादा है। लेकिन पिछली तिमाही के 36,937.05 करोड़ से थोड़ा कम है। गेल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया कि यह 6.50 के इंटरिम डिविडेंड के अतिरिक्त है, जो पहले ही इस साल के दौरान दिया जा चुका है।

सेबी ने सतराता से वापस लिया एमएम रिट का दर्जा, निवेशकों को किया सावधान

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को निवेशकों को सतराता नाम की रियल एस्टेट कंपनी को लेकर चेतावनी दी। सतराता एक कॉमर्शियल रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म है जिसे सुदर्शन लोढ़ा और प्रियंका राठौर ने शुरू किया था। कंपनी ने सेबी के नए नियमों के तहत स्मॉल एंड मिडियम रिट के तौर पर रजिस्ट्रेशन लिया था, लेकिन अब उसने खुद ही यह रजिस्ट्रेशन सरेंडर कर दिया है। सेबी ने कहा कि सतराता एसएम रिट कोई सेबी-रेगुलेटेड संस्था नहीं है और यह खुद को एसएम रिट या रेगुलेटेड इंटरमीडियरी के तौर पर पेश नहीं कर सकती। सतराता ने जनवरी 2025 में एसएम रिट के रूप में मंजूरी पाई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में 6 स्क्रीम लॉन्च करने की योजना बनाई थी, लेकिन एक भी स्क्रीम शुरू नहीं हो सकी। सेबी ने बताया कि सतराता के प्रमोटर पर कानूनी कार्यवाही चल रही है। इस मामले में सेबी ने कंपनी के साथ-साथ उसके स्वतंत्र निदेशकों, कंजलायर्स अफसर और ट्रस्टी से चर्चा की। इसके बाद सतराता ने अपना रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट वापस कर दिया। सतराता के पास दो हजार करोड़ से ज्यादा की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट हैं। एसएम रिट के तहत निवेश की न्यूनतम सीमा 10 लाख होती है। एसएम रिट नियम 2024 में लागू किए गए थे ताकि फ्रैक्शनल ओनरशिप प्लेटफॉर्म को रेगुलेट किया जा सके, रिस्क को कम किया जाए और निवेशकों की सुरक्षा तय की जा सके।

एसएम रिट के नियमों के तहत अब 50 करोड़ या उससे ज्यादा की रेसिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज को इसमें शामिल किया जा सकता है। पहले सिर्फ बड़ी कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज को रिट में लाया जा सकता था और मिनिमम इनवेस्टमेंट भी काफी ज्यादा था। नए नियमों में अब स्पॉन्सर को खुद भी निवेश करना होगा और ऋण पर भी लिमिट तय की गई है।



ब्रोकरेज फर्म ने ब्रिटानिया के शेयर पर 'बॉय' रेटिंग दे रखी

मुंबई। ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने ब्रिटानिया के शेयर पर 'बॉय' रेटिंग दे रखी है। रिपोर्ट में शेयर का नया टारगेट 6,770 रुपये तय किया गया है, जो मौजूदा कीमत 5,454 से 24 प्रतिशत ऊपर है। वित्तीय साल 26 को लेकर कंपनी का आउटलुक काफी सकारात्मक है। ब्रिटानिया की चौथी तिमाही 25 में बिक्री 9 प्रतिशत बढ़ी, जो कि पिछली सात तिमाहियों में सबसे तेज ग्रोथ है। वॉल्यूम में भी 3 प्रतिशत की बढ़त हुई। ईबीआईटीडीए मार्जिन 18.2 प्रतिशत रहा, जो विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर था। ब्रिटानिया अब सिर्फ बिरिकट नहीं, बल्कि कई दूसरे प्रोडक्ट्स जैसे केक, ब्रेड, डेयरी, रस्क, मिल्कशेक, वाफर्स और फ्राइसाइट पर भी फोकस कर रही है। ये सभी कैटेगरी अब 100 करोड़ या उससे ज्यादा की सेल्स वाली बन चुकी हैं, जिससे कंपनी का प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और मजबूत हो गया है। कंपनी ने वित्तीय साल 26 के लिए 5 प्रतिशत कीमत बढ़ाने का फैसला किया है और लागत में 2.6 प्रतिशत बचत का लक्ष्य रखा है। इससे मुनाफा और बेहतर हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी अब बड़े पैक और प्रीमियम बिरिकट रेंज पर भी जोर दे रही है। अगले 2-3 महीनों में कुछ नए प्रीमियम बिरिकट बाजार में लांच हो सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि गेहूँ के दाम में गिरावट की उम्मीद नहीं है क्योंकि उत्पादन और सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दोनों बढ़े हैं। गेहूँ कंपनी के कुल कच्चे माल में करीब 30 प्रतिशत हिस्सा रखता है। कंपनी का कहना है कि आने वाले समय में और दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे, लेकिन पिछले दाम बढ़ोतरी का असर पहली तिमाही 26 में भी दिखेगा। छोटे प्रतिस्पर्धियों से अभी दाम घटाने की कोई उम्मीद नहीं है।



वनप्लस 13टी ने बैटरी टेस्ट में प्रीमियम फोन्स को पछाड़ा



वन प्लस 13टी ने हाल ही में एक बैटरी टेस्ट में प्रीमियम स्मार्टफोन्स को पीछे छोड़ दिया है। यूट्यूबर टेक ड्रॉइडर ने शाओमी 15 प्रो, सैमसंग गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा, आईफोन 16 प्रो मैक्स, पिकसल 9 प्रो एक्सएल के साथ वनप्लस 13टी की बैटरी परफॉर्मेंस का परीक्षण किया। इस टेस्ट में 6260एमएएच की बैटरी वाले वन प्लस 13टी ने अन्य सभी डिवाइसेज को पीछे छोड़ते हुए सबसे बेहतर बैटरी लाइफ दी। टेस्ट में गूगल पिकसल 9 प्रो एक्सएल सबसे पहले बंद हुआ, क्योंकि इसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म हो गई और यह सबसे अधिक तापमान भी दिखा।

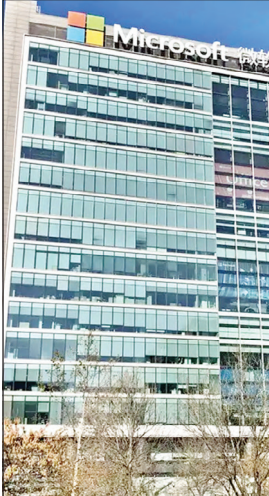
माइक्रोसॉफ्ट में छंटनी, 6000 कर्मचारी हॉंगे प्रभावित, नौकरी का संकट

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां)।

टेक दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने मंगलवार को छंटनी शुरू की है। इससे लगभग 6,000 कर्मचारी प्रभावित होंगे। यह कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग तीन फीसद है। माइक्रोसॉफ्ट की यह दो साल से अधिक समय बाद सबसे बड़ी छंटनी है। इस समय कंपनी का सबसे अधिक फोकस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर है।

इसका सबसे बड़ा झटका कंपनी के गृह राज्य वॉशिंगटन पर पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट ने राज्य को सूचित किया कि रेडमंड मुख्यालय से संबद्ध 1,985 कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। इनमें से कई सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और उत्पाद प्रबंधन भूमिका में हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने कहा कि छंटनी सभी स्तरों और भौगोलिक क्षेत्रों में होगी। कर्मचारियों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।



खबर के अनुसार, टेक दिग्गज के इस फैसले से लगभग 6,000 कर्मचारी सर्वाधिक प्रभावित होंगे। प्रवक्ता ने बयान में कहा कि यह गतिशील बाजार में सफलता के लिए कंपनी को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाने के

लिए जरूरी है। बयान में उम्मीद जताई गई है कि तिमाही शुद्ध आय 25.8 बिलियन डॉलर होगी। पिछले साल जून के अंत में माइक्रोसॉफ्ट के दुनिया भर में 228,000 कर्मचारी थे।

कुल मिलाकर यह 2023 में 10,000 पदों को समाप्त करने के बाद से कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी है। जनवरी में कंपनी ने कर्मचारी के प्रदर्शन के आधार पर छंटनी की शुरुआत की थी। प्रवक्ता ने साफ किया है ताजा छंटनी का प्रदर्शन से कोई लेना देना नहीं है। इसका बड़ा उद्देश्य प्रबंधन को आर्थिक दबाव से मुक्त रखना है। जनवरी में सीईओ सत्य नडेला ने विश्लेषकों से कहा था कि अब कंपनी का फोकस एआई क्लाउड पर होगा।

सोमवार को माइक्रोसॉफ्ट के शेयर 449.26 डॉलर पर कारोबार कर रहे थे, जो इस साल अब तक का सबसे उच्चतम मूल्य है। पिछले साल जुलाई में रिकॉर्ड 467.56 डॉलर पर बंद हुए थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तुर्किये के फलों का...

गाजियाबाद के साहिबाबाद फल मंडी के व्यापारियों ने भी तुर्की से सेब और अन्य फलों के आयात का बहिष्कार करने का फैसला किया है। एशिया के सबसे बड़े मार्बल व्यापार के केंद्र के रूप में पहचाने जाने वाले उदयपुर के व्यापारियों ने तुर्की से मार्बल का आयात बंद करने का फैसला किया है। इसका कारण है- तुर्की का पाकिस्तान को समर्थन देना। उदयपुर मार्बल प्रोसेसरस कमेटी के अध्यक्ष कपिल सुराना ने बताया कि कमेटी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि जब तक तुर्की पाकिस्तान का समर्थन करता रहेगा, तब तक उससे व्यापार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत में आयात होने वाले कुल मार्बल का करीब 70% हिस्सा तुर्की से आता है, लेकिन अब यह आयात बंद किया जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के इस दौर में तुर्की के रुख ने भारतीय व्यापारियों को नाराज किया है। तुर्की अक्सर पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। ऐसे में उदयपुर के मार्बल व्यापारियों द्वारा उठाया गया यह कदम सिर्फ एक आर्थिक फैसला नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश है कि भारत अब हर स्तर पर अपने विरोधियों को जवाब देने को तैयार है।

ग्लोबल टाइम्स और...

इस तरह की खबरें शेयर बाजार में कंपनी के शेयर बढ़ाने के लिए चलाई गई थीं। इसका सीधा फायदा चीनी एयरक्राफ्ट निर्माता कंपनी एवीआईसी चेंगदू एयरक्राफ्ट को मिला, जिसके शेयर दो दिन में 36% तक बढ़ गए। तुर्की की मीडिया ने भारत को मुस्लिम विरोधी देश के रूप में दिखाने की कोशिश की और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे संगठनों को डिजिटल प्रचार के जरिए उभारा। वहीं, चीनी मीडिया भारत में दो मोर्चों पर युद्ध होने की झूठी भविष्यवाणी करके लोगों को डराने की कोशिश कर रहा था। इन सभी झूठे प्रचारों को देखते हुए भारत सरकार ने पहली बार इतने सख्त कदम उठाए और चीन के दोनों सरकारी मीडिया संस्थानों ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ न्यूज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है।

नाम बदलने से...

उन्होंने कहा, हम इस तरह के प्रयासों को अपने सैद्धांतिक रुख के अनुरूप स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। जायसवाल ने इस घृने पर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, रमानात्मक नाम रखने से यह निर्बिवाद वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और

हमेशा रहेगा। पिछले साल अप्रैल में भी, जब बीजिंग ने अरुणाचल प्रदेश में 30 स्थानों के स्टैंडराइज्ड नामों की लिस्ट जारी की थी, तब भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने 2017 में जंगनाम में 6 स्थानों के नामों की पहली सूची जारी की, जबकि 2021 में 15 स्थानों की दूसरी सूची जारी की गई और उसके बाद 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की गई।

न्यायमूर्ति गवई ...

के अतिरिक्त न्यायाधीश और 12 नवंबर, 2005 को स्थायी न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति गवई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की अध्यक्षता की है। वह शीर्ष अदालत में कई मामलों में संवैधानिक पीठ का हिस्सा रहे हैं, जिनमें नोटबंदी, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और अनुसूचित जाति एवं जनजाति श्रेणियों के भीतर उप वर्गीकरण के मामले शामिल थे। उन्होंने अनुसूचित जाति / जनजाति के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुर्जोर वकालत की थी।

बलूचिस्तान ने किया...

ढाका में उसके 93000 सैन्यकर्मियों को आत्मसमर्पण के एक और अपमान से बचाया जा सके। भारत पाकिस्तानी सेना को हारने में सक्षम है

और अगर पाकिस्तान ने कोई ध्यान नहीं दिया तो केवल पाकिस्तानी लालची सेना के जवरलों को ही रक्तपात के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान पीओके के लोगों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। मार या बलूच ने कहा कि दुनिया को पाकिस्तान के एक्तरफा बयान पर भरोसा नहीं करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान के नेता के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर और 27 मार्च 1948 को बलूचिस्तान के पाकिस्तान में शामिल होने के समारोह में अंतरराष्ट्रीय या तीसरे देश की भागीदारी को साबित करने वाला एक भी कागज और कानूनी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि एक बार जब हमें संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता और स्वतंत्रता मिल जाएगी तो हम अपने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए मैत्रीपूर्ण और दीर्घकालिक संबंध बनाएंगे, शांति बनाए रखेंगे और वैश्विक आर्थिक मंदी को रोकने, जलवायु परिवर्तन और गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने में मदद करेंगे।

विजय शाह पर...

लेकिन कांग्रेस ने इस विवाद को पकड़ते हुए सीधे-सीधे विजय शाह का इस्तीफा मांग लिया है। कांग्रेस की मध्यप्रदेश यूनिट के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 'एक्स' पर विजय शाह के वीडियो को शेयर करते हुए सवाल किया कि भाग्य का तुरंत यह बनाए कि क्या विजय शाह की 'घटिया सोच' से वह सहमत है? उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से विजय शाह की टिप्पणी पर जवाब और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनका इस्तीफा मांगा।

द्रौपदी को राजदरबार में लाते ही दुर्योधन के मन में बसी क्रूरता बाहर आ गई और उसने अपने भाई दुर्शासन को द्रौपदी को निर्वन्ध करने अपनी जांच पर बैठाने को आदेश दिया। दुर्योधन की इस निर्लज्जता को देखकर पांडव क्रोध से पागल हो उठे और सभी में जिसने भी यह बात सुनी, वो सन्न रह गया। सभी में उपस्थित सभी वरिष्ठजन सिंह झुकाकर मौन करते थे। दुर्शासन ने अपने भाई की आज्ञा पालन करने हुए द्रौपदी की साड़ी खींचते हुए उतारने की कोशिश की लेकिन द्रौपदी की पुकार पर श्रीकृष्ण ने अदृश्य रूप में उपस्थित होकर साड़ी के कण्ठे को इतन लंबा कर दिया कि दुर्शासन थककर चूर हो गया लेकिन द्रौपदी की लाज

कपिल शर्मा बॉलीवुड पार्टीज से क्यों रहते हैं दूर?

अर्चना पूरन सिंह ने अब किया खुलासा

अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने हाल ही में कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कपिल बहुत ही प्राइवेट पर्सन हैं और बॉलीवुड पार्टीज में नहीं जाते हैं। ये भी जिक्र किया कि कैसे बीते सालों में उनका रिश्ता और मजबूत हुआ है। बता दें कि कपिल द ग्रेट इंडियन कपिल शो से दर्शकों को हंसाते हैं तो अर्चना जज की कुर्सी पर नजर आती हैं।

कपिल शर्मा के साथ अपनी दोस्ती की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अर्चना पूरन सिंह ने कहा, 'ये कॉमेडी सर्कस था, जिसमें कपिल बाकी 10 लोगों की तरह एक कंटेस्टेंट था, तब हमारा रिश्ता शुरू हुआ। कौन जानता था कि ये इतना आगे तक जाएगा? ये आपसी सम्मान पर आधारित एक रिश्ता था। मैं उनकी सीनियर थी और शो में जज थी। मेरी तरफ से, उनके लिए सम्मान बढ़ता गया, क्योंकि मैंने उनमें शानदार टैलेंट देखा, जब भी मैं उन्हें देखती हूँ, इतनी प्योरिटी (शुद्ध) और पावरफुल होने के लिए उनके आगे झुक जाती हूँ। मैंने कृष्णा, कपिल के साथ भी ऐसा ही रिश्ता बनाया और अब ये एक फैमिली रिश्ते में बदल



गया है।

अर्चना ने ये भी बताया कि कपिल किस तरह से संकोची हैं। उन्होंने कहा, 'कपिल अब मेरे साथ बहुत कंफर्टेबल हैं... वो 10 में से 9 लोगों के साथ सहज नहीं हैं। वो अपनी पर्सनल लाइफ में बहुत ही संकोची व्यक्ति हैं। वो चीजों को बहुत प्राइवेट रखना पसंद करते हैं और आप उन्हें बहुत ज्यादा प्रमोशन करते नहीं देखेंगे। आप उन्हें सिर्फ शो में ही देखेंगे। वो

पार्टियों में नहीं जाते। जब वो मेरे घर आते हैं तो बहुत कंफर्टेबल होते हैं। अगर मैं उनके घर चली जाती हूँ तो बहुत ही सहज होते हैं। अब हमारा रिश्ता बहुत सहज हो गया है। ये एक-दूसरे के साथ एक जैसे आदर पर बेस्ट है।'

अर्चना पूरन सिंह ने बताया, हम दोनों एक-दूसरे के साथ रहना पसंद करते हैं। हम एक ही तरह के ह्यूमर की तारीफ करते हैं। हालांकि हमारी परवरिश बिल्कुल अलग रही है, लेकिन हम एक-दूसरे से जुड़े हैं और ह्यूमर के एक प्लेटफॉर्म पर साथ आए हैं। वैसे, अर्चना पूरन सिंह की बात सुन कपिल शर्मा के फैंस भी इस कारण से समहत नजर आ रहे हैं। यूजर्स कॉमेंट में लिख रहे हैं कि यह सही भी है। जहां कंफर्ट नहीं हो, वहां नहीं जाना चाहिए।

अब क्लॉंगर भी बन गई हैं अर्चना

वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्चना पूरन सिंह को टोस्टर में देखा जाएगा। इसके अलावा वो अब यूट्यूब पर क्लॉंग भी बनाने लगी हैं और अपनी फैमिली, पति परमीत सेठी, बच्चों आर्यमन और आयुष्मान सेठी के साथ फनी मोमेंट की झलक दिखाती हैं।

सलमान खान की पार्टी में पानी की तरह बहता है वोडका, रशियन्स का भी हो जाता है बुरा हाल!



20 साल पहले सलमान खान लकी फिल्म में स्नेहा उल्लाल के साथ नजर आए थे। इस फिल्म के मेकर्स राधिका राव और विनय सप्पू ने हाल ही में सलमान की शराब से भरी पार्टियों को याद करते हुए दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने रशियंस क्रू मेंबर्स को भाईजान की पार्टी में ना जाने की हिदायत दी थी, लेकिन अपने आपको पीने के मामले में बेहतर साबित करने के चक्कर में उनका मटियामेट हो गया था। अगले दिन सेट पर भी उनकी हालत खराब थी। वहीं, सलमान टस से मस नहीं हुए थे।

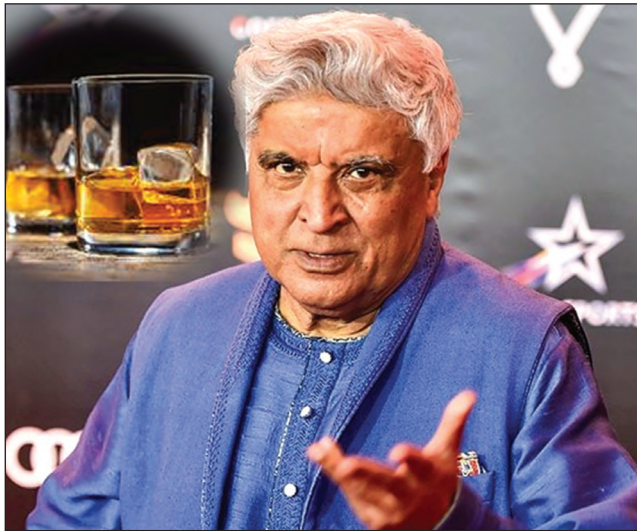
फिल्म निर्माता राधिका राव और विनय सप्पू ने हिंदी रश यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए खुलासा किया, हमने उनसे (रूसी क्रू) कहा कि वो न जाएं। हमने उनसे कहा कि वे अगले दिन काम पर नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, हम रूसी हैं, कोई भी हमसे ज्यादा नहीं पी सकता।' फिर हमने कहा, ऑल द बेस्ट, ये सलमान खान की पार्टी है, डॉट अंडरएस्टिमेट (कम मत आंकना)... वोडका का बहना कभी बंद नहीं हुआ और लोग पीते रहे। वे यह साबित करना चाहते थे कि

वोडका पीने के मामले में वे दुनिया में सबसे अच्छे हैं।

राधिका ने आगे और खुलासा करते हुए बताया कि इतना पीने के बाद सबकी हालत कैसी हो गई थी। वो कहती हैं, 'कुछ लोग सीढ़ियों से लुढ़ककर नीचे आए, रूसी क्रू मेंबर्स। जब अगले दिन वो सेट पर आए तो उनमें से आधे अपना सिर पकड़े हुए थे और कुछ लेट आए थे। रशियन्स बहुत अनुशासित हैं, वे अनप्रोफेशनल होना पसंद नहीं करते हैं। राधिका ने बताया, उन्होंने (रशियन क्रू मेंबर्स) कहा कि सबसे शर्मनाक बात ये थी कि सलमान जरा सा भी हिले नहीं। वे चट्टान की तरह खड़े थे। उन्होंने कहा- हम सभी नीचे लुढ़क रहे थे, उल्टी कर रहे थे और वो हमारे साथ शराब भी पी रहे थे, लेकिन उन्हें कुछ नहीं हुआ।

2005 में रिलीज हुई थी लकी फिल्म

लकी: नो टाइम फॉर लव' फिल्म साल 2005 में रिलीज हुई थी। इसमें सलमान खान के साथ स्नेहा उल्लाल थीं। एक्ट्रेस ने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। सलमान ने आदित्य का किरदार निभाया था।



एक बार में 18 बोतल बीयर पी जाते थे जावेद अख्तर!

जावेद अख्तर शराब की लत से अपनी लड़ाई के बारे में हमेशा खुलकर बात करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसने उनके निजी और प्रोफेशनल लाइफ को कैसे प्रभावित किया। हाल ही में एक इंटरव्यू में, जावेद ने उस समय को याद किया जब वह अकेले होने पर भी बहुत ज्यादा शराब पीते थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह एक बार में 18 बोतल बीयर पी जाते थे। बातचीत के दौरान, जावेद ने याद किया कि कैसे उन्होंने व्हिस्की से बीयर और फिर रम की ओर रुख किया।

जावेद अख्तर ने कहा, मुझे व्हिस्की से एलर्जी हो गई। फिर मैंने सोचा कि मुझे केवल बीयर ही पीनी चाहिए। मैं केवल एक बार में 18 बोतल बीयर पी जाता था। फिर मुझे लगा कि यार यह क्या पेट फूला रहा हूँ मैं अपना? इसलिए, मैंने इसे छोड़ दिया और रम पीना शुरू कर दिया।

गीतकार-लेखक ने यह भी खुलासा किया कि शराब पीते समय उन्हें किसी की भी जरूरत नहीं पड़ती थी। उन्होंने बताया, मुझे किसी साथी की जरूरत भी नहीं पड़ती थी। कोई है तो अच्छी बात है, नहीं तो मैं अकेले पी लूंगा।

पहली शादी शराब के लत के कारण टूटी

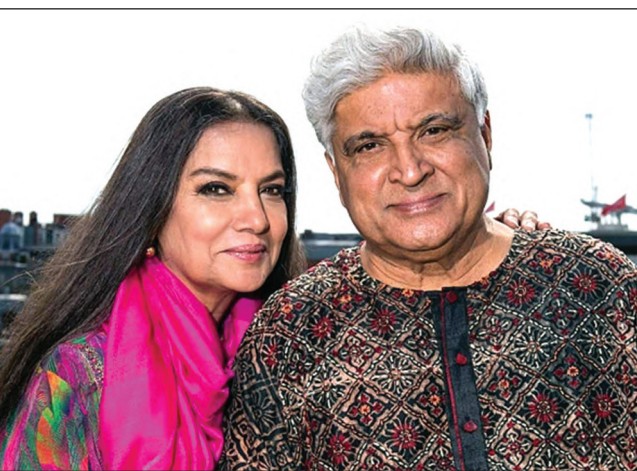
एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने माना था कि उनकी पूर्व पत्नी हनी ईरानी के साथ उनकी शादी उनकी शराब की लत की वजह से नाकाम हुई। उन्होंने कहा, मुझे अपनी पहली शादी के टूटने का अफसोस है। इसे बचाया जा सकता था। लेकिन यह मेरा गैर-जिम्मेदाराना रवैया था, मेरी शराब पीने की आदत... जब आप नशे में होते हैं, तो आप कुछ भी डिजीन लेते हैं, आप कुछ ऐसी चीजों के बारे में लड़ना शुरू कर देते हैं जो इतनी बड़ी बात नहीं होती। ये सब गलतियां तो हुई हैं मुझसे।

1991 में पी थी आखिरी शराब

उन्होंने शराब छोड़ने के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था, मैंने जीवन में जो कुछ अच्छे काम किए हैं, उनमें शराब छोड़ना भी शामिल है। 31 जुलाई, 1991 को मैंने आखिरी बार शराब पी थी। उसके बाद मैंने कभी शैंपेन का एक घूंट भी नहीं पिया। यहां तक कि जश्न के दौरान भी नहीं।

शबाना आजमी भी बोली थीं

इसके अलावा, जावेद अख्तर की पत्नी और एक्ट्रेस शबाना आजमी ने भी अपने पति की शराब की लत से निपटने के अपने अनुभव के बारे में बताया था। उन्होंने बताया, यह बहुत मुश्किल था। उन्होंने तय कर लिया था कि अगर उन्होंने इस तरह से शराब पीना नहीं छोड़ा तो वे लंबे समय तक जिंदा नहीं रह पाएंगे और क्रिएटिव काम नहीं कर पाएंगे।



ग्राम चिकित्सालय की डॉ. गार्गी रियल लाइफ में है बेहद हॉट

ओटीटी प्लेटफॉर्म एक ऐसा माध्यम है, जहां से से-लेक्स को रातोंरात शोहरत मिल जाती है। इस कड़ी में नया नाम बी टाउन एक्ट्रेस अकांशा रंजन कपूर का नाम शामिल हो रहा है, जिन्होंने हालिया रिलीज वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय से फैंस का दिल जीत लिया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो की इस सीरीज में सीधी-साधी महिला डॉ. गार्गी की भूमिका निभाने वाली अकांशा रियल लाइफ में हद से ज्यादा हॉट हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरों के जरिए आप इस बात अंदाजा आसानी से लगा सकते हैं।

लेटेस्ट वेब सीरीज या फिल्मों फैंस को नए किरदार के बारे में जानने की काफी रुचि रहती है। इस मामले में अब हम आपको जानने की एक्ट्रेस अकांशा रंजन के बारे में बताते जा रहे हैं। 18 सितंबर 1993 में अकांशा का जन्म हुआ। इनके पिता शशि रंजन एक फिल्ममेकर रहे हैं, जबकि बड़ी बहन अनुष्का रंजन सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस रही हैं। कियारा आडवाणी की ओटीटी फिल्म गिल्टी से अकांशा रंजन ने अपनी खास पहचान बनाई और अब वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय के जरिए वह फैंस की फेवरेट बन गई हैं। इस सीरीज में भोली-भाली डॉ. गार्गी की भूमिका निभाने वाली अकांशा रियल लाइफ में किसी अप्सरा से कम नहीं लगती हैं। फैंस भी उनके इस अंदाज पर खुल प्यार लुटाते हैं। अकांशा ने फिल्म गिल्टी से हिंदी सिनेमा में

डेब्यू किया और इसके बाद समय-समय पर वह अपनी अदाकारी की जलवा बिखरेती हुई नजर आई हैं।

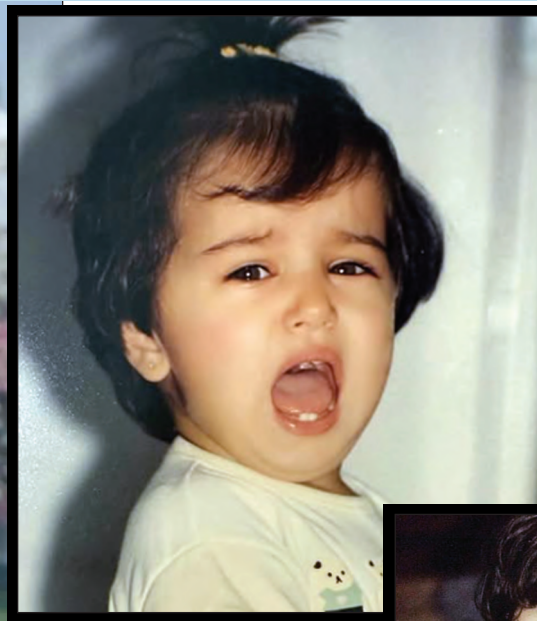
डीकोड- 2019, गिल्टी - 2020, रे- 2021, मोनिका ओह माय डार्लिंग- 2022, जिगरा- 2024

आलिया भट्ट की हैं जिगरी दोस्त

एक एक्ट्रेस होने के अलावा अकांशा रंजन बॉलीवुड की सुपरस्टार आलिया भट्ट की जिगरी दोस्त हैं। समय-समय पर आलिया इनके साथ सोशल मीडिया पर शानदार तस्वीरों को शेयर करते रहती हैं और अपनी दोस्ती की मिसाल कायम करती रहती हैं। इतना ही नहीं अकांशा भी आलिया के साथ बिताए खास लम्हों को फोटो और वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं।



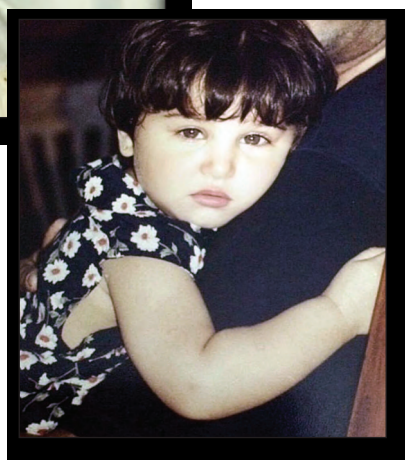
तारा सुतारिया ने अपनी बचपन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर की शेयर



यादों का लुप्त दिया।

पहली तस्वीर में उनकी प्यारी गोल आंखें, गोल-मटोल गाल और एक मासूम चेहरा दिख रहा था। यह सिलसिला अलग-अलग मूड दिखाने वाली तस्वीरों के साथ जारी रहा- गुस्सा, खुशी, नींद और शरारती, इन सभी पोज में उनकी बेमिसाल क्यूटनेस ने सबका दिल जीत लिया। अपने बचपन की फोटोज को दिखाते हुए तारा सुतारिया ने मज़ाकिया अंदाज में पोस्ट को कैप्शन दिया, खुश और भूखा, बेबी टार का एकमात्र मूड। कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं।

जैसे ही तारा की तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आईं, इंटरनेट से उनकी दोस्त संजना सांधी ने लिखा- आवली लिटिल बेबी तारू। इस पर तारा ने जवाब दिया। नन्ही, गोल-मटोल और भूखी। किल और अपूर्वा जैसी



साल 2019 में स्टूडेंट आफ द ईयर 2 में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली तारा सुतारिया ने न केवल अपनी एक्टिंग से बल्कि अपने बेबाक अंदाज से भी लोगों का दिल जीता है। पिछले कुछ सालों में वह कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं, जिनमें मरजावां, एक विलेन रिटर्न्स, तड़प, हीरोपंती 2, अपूर्वा और बहुत सारी फिल्में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर बचपन की तस्वीरें शेयर करके अपने फैंस को पुरानी

फिल्मों के लिए जाने जाने वाले फिल्ममेकर निखिल नागेश भट ने लाल दिल वाले इमोजी के साथ कमेंट किया।

तारा सुतारिया की अगली फिल्म

एक्ट्रेस पिछले साल आदर जैन के साथ ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में थीं। रिपोर्ट्स थीं कि उन्हीं की दोस्त ने आदर के साथ अफेयर किया और फिर शादी की। काम की बात करें तो तारा अगली बार एकशन-एडवेंचर फिल्म

टॉक्सिक: ए फेयर टेल फॉर ग्रीन-अपस में दिखाई देंगी, जो 2026 में रिलीज होने वाली है।

विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े समुदायों को उनका हक दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रवेश के है। यह भर्ती प्रक्रिया न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि सामाजिक न्याय को भी मजबूत करेगी। भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रखने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग कर आवेदन और चयन प्रक्रिया को और अधिक सुगम और कुशल बनाया जाएगा। यह पहल युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने के साथ ही सामाजिक समावेश और समानता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

